हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़- में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत के बाद कई विपक्षी नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठाए थे, कुछ ने हालांकि कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:28 अंक:352 दिनांक: 06-12-2023 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन सत्र के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फिल्म अभिनेता सलमान खान के साथ डांस किया।

मिचौंग का कहर जारी, अब तक 12 की मौत, कई राज्यों में भारी बारिश

नई दिल्ली(ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान मिचौंग देश के कई राज्यों में कहर बरपाने लगा है। भारी बारिश और तूफान के चलते कई लोगों के घर तबाह हो गए है। और अब तक कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई। ऐहितात के तौर पर तटीय इलाकों से गुजरने वाली ट्रेनें और हवाई सेवाओं को रोक दिया गया है। तमिलनाडु,आंध्र प्रदेश और ओडिशा में मिचौंग का सर्वाधिक असर देखा जा रहा है। ये तबाही तूफान के पहले की है। जबकि मंगलवार को इसके आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावनाएं हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी ने भी संभावनाएं जता दी हैं कि आने वाले एक-दो दिनों में जमकर बारिश हो सकती है।

चक्रवात मिचौंग के मंगलवार को आंध्र प्रदेश में बापटला के करीब नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच टकराने की संभावना है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के ऊपर भीषण चक्रवाती तूफान लगातार तेज हो रहा है। लगातार बदल रहे मौसम के कारण पिछले कुछ घंटों से आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और तमिलनाडु में कई स्थानों पर भारी बारिश हो रही है। तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी हुई है। आंध्र प्रदेश सरकार ने आठ जिलों-तिरुपति, नेल्लोर, प्रकाशम, बापटला, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी, कोनसीमा और काकीनाडा के लिए अलर्ट जारी किया है। सोमवार को पुडुचेरी में तटीय इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई।

चक्रवात मिचौंग जो बंगाल की खाड़ी के ऊपर घूम रहा है, चेन्नई में बारिश से तबाही मची हुई है। चक्रवात के आंध्र प्रदेश तट पर टकराने की जल्द संभावना है। चेन्नई में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक कम से कम आठ लोगों की मौत हो चुकी है। चक्रवाती तूफान मिचौंग के चलते हो रही बारिश के कारण तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अलावा ओडिशा भी अलर्ट मोड पर है। खबर है कि राज्य में सभी प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, हाईस्कूल और आंगनवाड़ी केंद्रों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। कलेक्टर की तरफ से जारी ताजा आदेश के मुताबिक, 6 दिसंबर तक इन स्थानों पर अवकाश रहेगा। बंगाल की खाड़ी में उठ रहे मिचौंग का असर अब झारखंड पर भी पड़ रहा है। सूबे में मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है।मंगलवार को झारखंड के दक्षिण भाग पूर्वी सिंहभूम, प.सिंहभूम, सिमडेगा व सरायकेला-खरसांवा सहित मध्य झारखंड के रांची समेत बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी व रामगढ़ में मेघगर्जन के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग रांची ने यलो अलर्ट जारी किया है।

आंध्र प्रदेश के भी कई इलाके चक्रवाती तूफान की चपेट में हैं। मिचौंग के आज राज्य के दक्षिणी तट पर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच बापटला के करीब पहुंचने की संभावना है। इस समय बापटला में तेज हवाओं के साथ मध्यम वर्षा होनी शुरू हो गई है।आंध्र प्रदेश के बापटला में भी चक्रवाती तूफान मिचौंग का प्रभाव दिखने लगा है। बापटला में मध्यम बारिश हो रही है और तेज हवाएं चल रही हैं। अनुमान है कि बारिश अभी और तेज हो सकती है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि मंगलवार को चक्रवाती तूफान मिचौंग आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट पर नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच लैंडफॉल कर सकता है। इसी बीच राज्य में कई स्थानों पर बारिश और तेज हवाओं का दौर शुरू हो गया है। ताजा अपडेट के अनुसार, राज्य के बापटला में तेज हवाओं के साथ बारिश दर्ज की गई है।

तमिलनाडु और उसके पड़ोसी राज्यों में चक्रवाती तूफान मिचौंग का कहर जारी है। सोमवार दिन में तमिलनाडु के तटीय इलाके से टकराने के बाद मिचौंग ने राज्य में विकराल रूप ले लिया है। चेन्नई शहर में हालात काफी बुरे हैं। चेन्नई के एक लड़के ने तूफान की वजह से हुई परेशानी को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उसने बताया कि कैसे बाढ़ के कारण उसकी मुंबई की फ्लाइट मिस हो गई। जब वह वापस आ रहा था तो बिजली कटौती के कारण आधा घंटे लिफ्ट में फंसा रहा। बता दें कि मिचौंग तूफान की वजह चेन्नई एयरपोर्ट पर पानी भर गया। जिसके बाद 10 फ्लाइट्स रद्द की गई। सड़कों जलभराव की वो स्थिति आ गई है कि मगरमच्छ निकलने लगे हैं।

भारत मौसम विभाग ने सोमवार को शाम एक बुलेटिन में कहा कि तूफान के धीरे-धीरे तेज होने और लगभग उत्तर की ओर लगभग समानांतर और दक्षिण आंध्र प्रदेश तट के करीब बढ़ने की संभावना है और अधिकतम निरंतर हवा की गति के साथ एक गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में 90-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पांच दिसंबर की दोपहर के दौरान बापटला के करीब, नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार कर जाएगा।

फ्लाइट्स और कई ट्रेनें रद्द

तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण सोमवार को 33 उड़ानें चेन्नई से केंपेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) की ओर डाईवर्ट कर दी गई। केआईए का संचालन करने वाली बेंगलूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) के अधिकारियों ने बताया कि इंडिगो, स्पाइसजेट, एतिहाद, लुफ्थांसा और गल्फ एयर की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को चेन्नई से बेंगलुरु की ओर मोड़ दिया गया है। चेन्नई हवाई अड्डे से लगभग 70 उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। मिचौंग चक्रवात को देखते हुए रेलवे ने दिल्ली से चलने वाली कई रेलगाड़ियों को रद्द कर दिया है। इसकी जानकारी यात्रियों को भी मैसेज के माध्यम से दी गई है। उत्तर रेलवे के मुख्य प्रवक्ता दीपक कुमार के अनुसार, अधिकांश गाड़ियां फिलहाल 5 से 7 दिसंबर तक रद्द रहेंगी। ट्रेनों को रद्द कर दिया है।

आंध्र प्रदेश के पश्चिम-मध्य और तटीय दक्षिण क्षेत्र में मंडरा रहे चक्रवात मिचौंग के कारण सोमवार को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश हुई। जनजीवन अस्तव्यस्त रहा। इस दौरान चेन्नई में अलग-अलग घटनाओं में पांच की मौत हो गई। चक्रवाती तूफान मिचौंग मंगलवार को पूर्वाह्न आंध्र प्रदेश में तट को पार कर सकता है।हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जो तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई का बताया जा रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि एक मगरमच्छ व्यस्त सड़क के किनारे चलता जा रहा है। अचनाक पहुंची गाड़ियों के चलते वह अंधेरे की ओर बढ़ गया। मिचौंग के चलते चेन्नई समेत कई स्थानों पर जमकर बारिश हो रही है, जिसकी वजह से जलजमाव हो गया है। भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग मंगलवार को दक्षिण आंध्र प्रदेश में दस्तक देगा। मिचौंग पश्चिम मध्य और इससे सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे सटे उत्तरी तमिलनाडु के तटों पर पिछले दिनों 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया।

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना के मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। तेलंगाना में कांग्रेस को भारी जीत दिलाने वाले रेवंत रेड्डी को औपचारिक रूप से कांग्रेस विधायक दल का नेता चुन लिया गया। शपथ समारोह गुरुवार को होगा।रेवंत रेड्डी के नाम का ऐलान होते ही सीएम पद को लेकर चल रहे तमाम अटकलों पर विराम लग गया।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव के पूरे कैंपेन और जीत के बाद साफ हो गया था कि तेलंगाना कांग्रेस प्रमुख रेवंत रेड्डी ही सीएम फेस हैं। रेवंत रेड्डी तेलंगाना में कांग्रेस के इलेक्शन कैंपेन का चेहरा और आवाज थे। उन्हें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वॉड्रा का समर्थन भी था। ऐसे में वो अघोषित रूप से सीएम कैंडिडेट थे।

रेवंत रेड्डी ने अपने करीबियों को उम्मीदवार बनाने में कड़ी मेहनत की थी। वह अच्छी तरह जानते थे कि अगर उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है, तो उन्हें अपनी ही पार्टी में कोई मौका नहीं मिलेगा। अब उनके समर्थकों का कहना है कि रेवंत रेड्डी के पास करीब 42 विधायक हैं।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा के ज़रिये चुनाव लड़ने की प्रेरणा देने का श्रेय देने वाले रेवंत रेड्डी का जन्म महबूबनगर जिले के कोंडारेड्डी पल्ली में 8 नवंबर, 1969 को हुआ था। छात्र जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य रहे रेवंत वर्ष 2006 में स्थानीय राजनीति में उतरे थे, और पहली बार में ही निर्दलीय के तौर पर मिडजिल मंडल से चुने गए। अगले ही साल, यानी 2007 में वह निर्दलीय के तौर ही पहली बार विधान परिषद सदस्य चुने गए।

उस्मानिया यूनिवर्सिटी के ए।वी। कॉलेज से कला स्नातक की डिग्री पाने वाले रेवंत रेड्डी बाद में तेलुगूदेशम पार्टी प्रमुख (तथा आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री) एन। चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात के बाद तेलुगूदेशम पार्टी में शामिल हो गए। वर्ष 2009 में उन्होंने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा, और तेलुगूदेशम पार्टी के प्रत्याशी के रूप में कांग्रेस के पांच बार के विधायक गुरुनाथ रेड्डी को पराजित कर दिया। इसके बाद अविभाजित आंध्र प्रदेश से तेलंगाना विधानसभा के लिए वर्ष 2014 में उन्होंने एक बार फिर कोडांगल सीट से तेलुगूदेशम पार्टी प्रत्याशी के रूप में गुरुनाथ रेड्डी को पराजित किया, और इसके बाद उन्हें तेलुगूदेशम पार्टी की ओर से सदन में नेता चुन लिया गया।

रेवंत रेड्डी को लोकसभा चुनाव 2019 में कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में मलकाजगिरी संसदीय सीट से प्रत्याशी बनाया गया, और उन्होंने तेलंगाना राष्ट्र समिति प्रत्याशी मर्री राजशेखर रेड्डी को हराया। इसके बाद, उन्हें 20 सितंबर, 2018 को कांग्रेस के तीन कार्यकारी अध्यक्षों में से एक नियुक्त कर दिया गया। अब विधानसभा चुनाव 2023 में कोडांगल और कामारेड्डी विधानसभा सीटों से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने वाले रेवंत रेड्डी कोडांगल में जीत गए हैं, लेकिन कामारेड्डी सीट से हार गए हैं।

करणी सेना अध्यक्ष की गोली मार कर हत्या, फिल्मी अंदाज में घर में ही मारी गोली

- एक हमलावर भी मारा गया, हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज हुआ वायरल
- हत्याकांड से लॉरेंस बिश्नोई का नाम भी जुड़ा, रोहित गोदारा गैंग ने ली हत्या की जिम्मेदारी

जयपुर,(ईएमएस)। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिन दहाड़े हत्या कर दी गई। उनके घर पहुंचे दो लोगों ने करीब से गोली मारकर हत्या कर दी। हत्याकांड का सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ है, जिसमें उनके सामने बैठे दो लोग अचानक उठते हैं और गोली चलाते हुए दिख रहे हैं। इस हत्याकांड की जिम्मेदारी रोहित गोदारा गैंग ने ली है।

जानकारी अनुसार मंगलवार को राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिन दहाड़े हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड से लॉरेंस बिश्नोई का नाम भी जुड़ रहा है। इसी बीच हत्याकांड से जुड़ा एक सीसीटीवी फुटेज तेजी से वायरल हुआ है। इसमें साफ देखा जा सकता है कि गोगामेड़ी के सामने बैठे हुए दो लोग अचानक उठते हैं और उन पर फायर कर देते हैं।

घर में आराम से बैठे दिखे हत्यारे

हत्याकांड से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज जो वायरल हुआ है उसमें साफ दिख रहा है कि बदमाश पहले आराम से बैठकर सुखदेव सिंह गोगामेड़ी से बात कर रहे हैं। इसी बीच ऐसा कुछ होता है कि वो अचानक उठते हैं और रिवॉल्वर निकाल कर गोलियां चला देते हैं। गौरतलब है कि गोगामेड़ी की हत्या जयपुर में श्याम नगर जनपथ स्थित उनके निवास पर ही की गई है। इस कारण प्रथम दृष्टा यही समझा जा रहा है कि दोनों एक दूसरे को पहले से जानते थे और आपस में ही कोई विवाद के चलते यह हत्याकांड हुआ है। फिलहाल जानकारी यही आ रही है कि हत्याकांड की जिम्मेदारी राजस्थान के रोहित गोदारा गैंग ने ली है।

लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 पेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक-2023 पर चर्चा शुरू हुई है। दोपहर दो बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर सदन के एजेंडे के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन से दोनों विधेयकों पर चर्चा करने का प्रस्ताव रखा और इसके बाद चर्चा शुरू हो गई। सदन में चर्चा के लिए चार घंटे का समय निर्धारित किया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह बुधवार को लोकसभा में इस चर्चा का जवाब देने वाले हैं। बता दें कि, जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2023 को मानूसन सत्र के दौरान 26 जुलाई, 2023 को लोक सभा में पेश किया गया था। यह बिल जम्मू और कश्मीर आरक्षण अधिनियम-2004 में संशोधन करता है और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग के सदस्यों को नौकरियों और व्यावसायिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण प्रदान करता है।

सीआईडी से मशहूर हुए एक्टर दिनेश फडनिस का निधन

मुंबई (ईएमएस)। लोकप्रिय टीवी कार्यक्रम 'सीआईडी से मशहूर हुए अभिनेता दिनेश फडनिस का ?निधन हो गया है। उनका ??निधन यहां एक अस्पताल में सोमवार आधी रात को हो गया। वह 57 वर्ष के थे। सीआईडी में फ्रेडरिक्स के किरदार से पहचाने जाने वाले फडनिस को स्वास्थ्य संबंधी कुछ जटिलताओं के कारण कुछ दिन पहले उपनगर मुंबई के तुंगा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। फडनिस के मित्र एवं अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव ने कहा ?कि दिनेश देर रात करीब 12 बजकर 8 मिनट पर हमें छोड़कर चले गए। उन्हें यकृत से जुड़ी समस्याएं थीं और इसका शरीर के अन्य अंगों पर भी असर पड़ा था। पिछले दो-तीन दिन से उनकी हालत बहुत खराब थी। उन्हें बचाया नहीं जा सका। फिल्म और टीवी उद्योग में जाना-पहचाना चेहरा रहे फडनिस 'सरफरोश और 'मेला जैसी फिल्मों में भी दिखाई दिए थे। उनका अंतिम संस्कार आज सुबह बोरीवली पूर्व में किया गया। दिनेश फडनीस ने साल 1998 से 2018 तक सीआईडी में फ्रेडरिक्स की भूमिका निभाई थी। इसके वह तारक मेहता का उल्टा चश्मा में भी कैमियो रोल में नजर आए थे।

महराष्ट्र में सीएम को लेकर भाजपा और अजीत गुट के अपने-अपने दावे

मुंबई (ईएमएस)। महराष्ट्र में सत्तारूढ़ सहयोगी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले ने भविष्यवाणी की है कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले हैं। भंडारा में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर उन्होंने पूछा कि महाराष्ट्र में केवल एक ही बाघ है, और वह फडणवीस हैं। यह बैठक भाजपा को तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल करने के बाद आयोजित की गई थी।

सभा में बावनकुले ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अगले वर्ष के लिए तीन प्रतिबद्धताएं बनाने को कहा। पहला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल को सुनिश्चित करने के लिए महाराष्ट्र से 45 सांसदों का चुनाव करना। दूसरा, यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना कि फडणवीस सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के सीएम के रूप में शपथ लें। तीसरा, आगामी नगर निगम/परिषद और अन्य निकाय चुनावों में किसी भी आधिकारिक भाजपा उम्मीदवार के लिए समर्पित होकर काम करना और भारी मतों से उनकी जीत सुनिश्चित करना। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से तीन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अगले 13 महीनों तक प्रतिदिन तीन घंटे का समय निकालने को कहा।

बावनकुले के दावे के ठीक बाद, अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के प्रवक्ता अमोल मिटकारी ने दावा किया कि उनकी पार्टी के प्रमुख 2024 में सीएम बनेंगे। जैसे ही यह खबर फैली, एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विधायक संजय शिरसाट ने कहा कि किसी को भी इसमें पत्थर नहीं फेंकना चाहिए। निकट भविष्य में महागठबंधन या तीनों दलों के बीच कोई सुलह नहीं होगी।

अपने प्रयासों और नवाचार से हम इनेविटेबल इंडिया को वास्तविकता में बदल देंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयास और नवाचार के माध्यम से इनेविटेबल इंडिया को वास्तविकता में बदलने का विश्वास व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने नैसकॉम के अध्यक्ष देबजानी घोष के एक लेख को साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया:्रिहिग्ड्डे के इस लेख में सटीकता से बताया गया है कि आज भारत को दुनिया भर में कैसे देखा जा रहा है। अपने प्रयासों और नवाचार के साथ, हम क्ष इनेविटेबल इंडिया को वास्तविकता में बदल देंगे!

मध्यप्रदेश चुनाव नतीजों को रद्द करने की मांग को लेकर सुको में याचिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। मध्यप्रदेश में चुनाव नतीजों को रद्द करने की मांग को लेकर प्रधान न्यायाधीश को एक वकील ने पत्र याचिका भेजी है। पत्र याचिका में कहा गया है कि वोटिंग के दौरान विभिन्न तरह की 15,000 अनियमितता की शिकायतें चुनाव आयोग से की गई थीं। चुनाव आयोग को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) टेंपरिंग, सीसीटीवी बंद हो जाने व अन्य प्रकार की शिकायतें दी गई थीं। ये 15,000 शिकायतें चुनाव आयोग के पोर्टल पर भी मौजूद हैं। पत्र याचिका में आरोप लगाया गया है कि चुनाव आयोग ने इन शिकायतों पर फैसला लिए बिना ही प्रत्याशियों को सर्टिफिकेट जारी किया है। ये पत्र याचिका वकील नरेन्द्र मिश्रा ने दाखिल की है।

बता दें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 230 सदस्यीय मध्य प्रदेश विधानसभा में 163 सीट जीत दर्ज कर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया जबकि कांग्रेस 66 सीट पर सिमट गई है।

हाल में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में हिंदी पट्टी के तीन राज्यों - राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़- में भारतीय जनता पार्टी को मिली जीत के बाद कई विपक्षी नेताओं ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर सवाल उठाए थे, कुछ ने हालांकि कहा कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी वे चुनाव जीतने में असफल होते हैं, तो वे ईवीएम को दोष देते हैं।

ब्रिटेन में विदेशी कामगारों के लिए वीजा नियमों में हुई सख्ती

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन में ?विदेशी कामगारों के ?लिए वीजा ??नियमों में सख्ती की गई है। ?मिली जानकारी के अनुसार सरकार ने देश में अप्रवासियों की संख्या को कम करने के लिए सख्त कदमों की घोषणा की जिनमें विदेशी श्रमिकों के लिए कौशल आधारित वीजा प्राप्त करने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में लाने पर रोक शामिल है। ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में दिए एक बयान में खुलासा किया कि इस कार्रवाई के तहत स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। बताया जा रहा है ?कि इस फैसले का असर भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। वहीं पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। इस संबन्ध में क्लेवरली ने संसद को बताया ?कि आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए। उन्होनें बताया ?कि यह नये नियम 2024 की शुरुआत में प्रभावी होंगे।

बैंकों का एनपीए हुआ कम, खूब मुनाफा कमा रहे बैंक : सीतारमण

मुंबई (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि देश में बैंकों की गैर निष्पादित संपत्ति निरंतर कम हो रही है और सभी बैंक फायदे की स्थिति में है। देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

श्रीमती सीतारमण ने तृणमूल कांग्रेस के जवाहर सरकार के पूरक प्रश्न का जवाब देकर कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार की नीतियों के कारण गैर निष्पादित संपत्ति यानी एनपीए निरंतर कम हो रहा है तथा बैंकों की स्थिति मजबूत हो रही है क्योंकि वे मुनाफा कमा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका और जर्मनी सहित दुनिया के विभिन्न बड़े देशों के बैकों की हालत खस्ता हो रही है वहीं भारत में बैंक फल फूल रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के अनुसार वाणिज्यिक बैंकों की गैर निष्पादित संपत्ति 0.95 प्रतिशत पर, तब सरकारी बैंकों की गैर निष्पादित संपत्ति 1.24 प्रतिशत तक आ गई है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते कभी बुरी हालत में रही हमारी अर्थव्यवस्था अब तेज गति से बढ रही है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि जानबूझकर रिण नहीं चुकाने वाले ढाई हजार से भी अधिक लोगों के खिलाफ व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि 13 हजार 978 खाताधारकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। सरफेसी अधिनियम के तहत भी 11 हजार 483 मामलों में कदम उठाए जा रहे हैं। मोदी सरकार की कार्रवाई के कारण 33 हजार 801 करोड़ रूपये की वसूली की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के लोगों के खिलाफ सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग निरंतर कड़े कदम उठा रही है।

ममता, नीतिश, अखिलेश और सोरेन के इंकार के बाद स्थगित हुई इंडिया की बैठक

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने 6 को बुलाई थी बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम मोदी को सत्ता से हटने के लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया के बड़े नेताओं की बुधवार को होने वाली बैठक टल गई है। अगली बैठक की तारीख बाद में सामने आएगी। इंडिया ब्लॉक के फ्लोर लीडर्स की बैठक बुधवार शाम 6 बजे होगी। कांग्रेस के सूत्रों के मुताबिक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कुछ घटक दलों के प्रमुख नेताओं के पास 6 दिसंबर को समय की अनुपलब्धता के चलते बुधवार को होने वाली बैठक स्थगित की गई। फिलहाल गठबंधन की 'अनौपचारिक समन्वय बैठक' होगी। जिसमें पार्टियों के संसदीय दल के नेता शामिल हो रहे है। इसके पहले इंडिया गठबंधन की 6 दिसंबर को होने वाली बैठक पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि 'मुझे इस बारे में जानकारी नहीं है और मेरे उत्तर बंगाल के कुछ कार्यक्रम तय हैं। अगर इस बारे में पहले से जानकारी होती तब मैं उत्तर बंगाल के कार्यक्रम में नहीं जाती। मैं उत्तर बंगाल के दौरे पर जा रही हूं।

वहीं समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को साफ कहा कि पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव का बुधवार को दिल्ली में होने वाली विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) की बैठक में जाने का कोई कार्यक्रम नहीं है। सपा प्रवक्ता चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने का कोई कार्यक्रम नहीं है। पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रोफेसर राम गोपाल यादव या राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अधिकृत कोई अन्य नेता बैठक में शामिल होगा। यह पूछने पर कि क्या चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अखिलेश का बैठक में शामिल न होना तय था, इस पर सपा प्रवक्ता ने कहा कि बैठक के बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं थी।

इतना ही नहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के साथ ही झारखंड के सीएम हेंमत सोरेन ने भी बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया है। बताया जा रहा हैं कि सोरेन के अलावा तमिलनाडू के सीएम स्टालिन ने भी चक्रवात से हुई दिक्कतों का हवाला देकर बैठक में नहीं शामिल होने की बात कही है।

गौरतलब है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बीच विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं की छह दिसंबर को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर बैठक बुलाई गई थी। हाल के विधानसभा चुनावों के नतीजों की घोषणा के बाद अखिलेश यादव ने कहा था कि वह परिणाम से निराश नहीं हैं. उन्होंने उम्मीद जाहिर कि आगामी लोकसभा चुनावों में परिणाम अलग होने वाले हैं। बहरहाल, सपा प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया था कि विपक्षी दलों को बीजेपी जैसी 'बड़ी पार्टी' से लड़ने के लिए काफी तैयारी करनी होगी।

सूत्रों का कहना है कि 'तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के नेता एमके स्टालिन चक्रवात के कारण पैदा हुए हालात के चलते बैठक में शामिल नहीं हो सकते थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अस्वस्थ हैं तथा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के परिवार में वैवाहिक कार्यक्रम है। इसके बाद आगे की तारीख के लिए बैठक को स्थगित किया गया है।

मध्य प्रदेश के तर्ज पर महाराष्ट्र में भी लाडली बहना योजना?

मुंबई, (ईएमएस)। लाडली बहना योजना से मध्य प्रदेश की लाखों महिलाओं को सीधा लाभ हुआ है। इस योजना के तहत राज्य की महिलाओं को वित्तीय सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना की शुरुआत मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की थी. जिससे अब तक करीब सवा करोड़ महिलाओं को फायदा हुआ है. कहा जाता है कि इसी योजना की बदौलत मध्य प्रदेश में बीजेपी सरकार सत्ता में आई है. अब संकेत मिल रहे हैं कि महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार इस योजना को अब महाराष्ट्र में लागू करेगी. इसका उद्देश्य राज्य में महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना है। इस योजना के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग महिलाओं के स्वयं और उनके बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। योजना के तहत कुल 1 करोड़ 25 लाख 33 हजार 145 महिलाओं ने आवेदन किया था. इनमें से 1 करोड़ 25 लाख 5 हजार 947 महिलाएं क्वालिफाई हुईं. इस योजना के तहत राज्य में महिलाओं को प्रति माह 1,000 रुपये दिए जाते हैं। इसका मतलब है कि हर महिला को एक साल में 12,000 रुपये की सहायता दी जाती है. इसके लिए सरकार हर साल बजट में 12 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान कर रही है. पहले इसके लिए आवेदन करने की आयु सीमा 23 वर्ष रखी गई थी। लेकिन बाद में इसे 21 साल कर दिया गया है. योजना के तहत 21 साल से 60 साल तक की महिलाएं आवेदन कर सकती हैं। मध्य प्रदेश में चल रही इस योजना का लाभ सभी वर्ग की महिलाओं को दिया जा रहा है। इस योजना के तहत सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक, विधवा को भी लाभार्थी बनाया गया है। लाडली बहना योजना के लिए सबसे जरूरी है कि लाभार्थी मध्य प्रदेश का निवासी होना चाहिए। इसके लिए महिला को मध्य प्रदेश की स्थायी निवासी होना चाहिए। स्कूल या कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों या महिलाओं को योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। यह योजना विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसलिए इसमें आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को ही फायदा मिलता है। लाडली बहना योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदक को आधार कार्ड, फोटो, बैंक खाता विवरण, मोबाइल नंबर और मूल निवासी प्रमाण पत्र के साथ-साथ जन्म तिथि सत्यापित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र भी जमा करना होगा। बहरहाल इस योजना को महाराष्ट्र में भी लागू करने पर राज्य सरकार विचार कर रही है।

ग्रीन कार्ड को लेकर अमेरिकी सांसदों ने विधेयक पेश किया

वा?शिंगटन (ईएमएस)। भारतीय-अमेरिकी राजा कृष्णमूर्ति और प्रमिला जयपाल समेत तीन प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों ने ग्रीन कार्ड संबंधी आवेदनों के निपटारे की प्रक्रिया में तेजी लाने और रोजगार आधारित वीजा के लिए देशों के साथ भेदभाव को समाप्त करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में द्विदलीय विधेयक पेश किया है। यदि यह विधेयक कानून में तब्दील हो जाता है तो इससे उन हजारों भारतीय-अमेरिकियों को मदद मिलेगी जो ग्रीन कार्ड या अमेरिका में स्थायी निवास के लिए दशकों से इंतजार कर रहे हैं। कृष्णमूर्ति और जयपाल के साथ सांसद रिच मैक्कॉर्मिक ने यह विधेयक पेश किया। एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि द्विदलीय आव्रजन वीजा दक्षता एवं सुरक्षा अधिनियम 2023 एचआर 6542 अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और ग्रीन कार्ड के लंबित आवेदनों की संख्या को कम करते हुए देश में अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देगा। इससे अमेरिकी नियोक्ता जन्मस्थान के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर प्रवासियों को रोजगार दे सकेंगे। इसमें बताया गया है कि यह विधेयक रोजगार-आधारित प्रवासी वीजा पर प्रति-देश सात प्रतिशत की मौजूदा सीमा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करेगा जबकि परिवार-प्रायोजित वीजा पर प्रति-देश सात प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करेगा।

जन हितैषी

किसान आंदोलन की तीन गलतियां अब सरकार पर पड़ी भारी

किसान आंदोलन में सरकार द्वारा की गई गलतियां अब अमेरिका और कनाडा तक पहुंच गई है। किसान आंदोलन को केंद्र सरकार ने प्रारंभ से ही गलत तरीके से हैंडल किया। जिसके कारण अब यह एक अंतरराष्ट्रीय समस्या के रूप में सामने आ रहा है। केंद्र सरकार ने किसान आंदोलन को उग्रवादी, सिख धार्मिक भावना से प्रेरित मान लिया था। प्रारंभ में किसान आंदोलन का पूरा नेतृत्व वामपंथी किसान संघो के हाथ में था। दूसरा सरकार ने सोचा था कि आंदोलनकारी जल्द ही थक हारकर वापस लौट जाएंगे। सरकार ने सिखों का विश्वास जीतने के लिए किसी सिख नेता को भी वार्ता में शामिल नहीं किया। अकाली दल से केंद्र सरकार का रिश्ता पहले ही टूट चुका था। पंजाब में कांग्रेस की सरकार से बात करने की कोई स्थिति नहीं थी। जिसके कारण किसान आंदोलन को लेकर सरकार और किसान संगठनो के बीच लगातार दूरियां बढ़ती चली गई। किसान आंदोलन लंबा चलने के कारण,कनाडा के उग्रपंथी भी किसानों के समर्थन में सामने आए। किसान आंदोलन को लेकर सभी के मन में सहानुभूति की लहर दौड़ी। विदेश में बसे हुए सिखों ने भी अपने स्तर पर आंदोलनकारी किसानों की मदद की। संगीत जगत से जुड़े और पंजाबी पॉप स्टारों का एक बड़ा वर्ग किसान आंदोलन के समर्थन में आ गया। किसान आंदोलन के समय जो सख्ती सरकार ने ?दिखाई थी इसका असर बड़े व्यापक रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अब देखने को मिल रहा है। भारत के गोदी मीडिया के टीवी चैनलों ने उस समय आग में घी डालने का काम किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसानों के आंदोलन को चरमपंथी,खालिस्तान आंदोलनकरियों द्वारा चलाए जा रहा आंदोलन बताया। जिसके कारण इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तीव्र प्रतिक्रिया हुई। ?किसान आंदोलन में आ?र्थिक मदद देने पर केन्द्र सरकार ने उत्पीड़न की कार्यवाही की थी।

कनाडा से निज्जर को लेकर जो विवाद शुरू हुआ था। अब वह अमेरिका तक बढ़ चला है। केंद्र सरकार के ऊपर ब्रिटेन के बाद अब अमेरिका ने भी अपने नागरिकों की हत्या करने का आरोप भारत पर लगा दिया है। कनाडा मामले में तो गोदी मीडिया और सरकार ने बड़ा प्रोपोगंडा किया था। लेकिन जब अमेरिका ने इसी आधार पर जब भारत सरकार को नोटिस भेजकर कार्रवाई करने की मांग की। तब सरकार और गोदी मीडिया ने भी चुप्पी साध ली है। सिख अलगाववाद और उग्रवाद को लेकर चाहे जो भी चुनौती देश और विदेश में हो। अमेरिका और कनाडा का जो सरदर्द था, अब वह भारत के गले पड गया है। कनाडा और अमेरिका में स्वयंभू खालिस्तानी वहां जो भी गतिविधि करते हो, इसका असर कनाडा और अमेरिका पर होता था। लेकिन किसान आंदोलन को गलत तरीके से हैंडल करने के कारण अब इस मामले का असर भारत पर भी असर पड़ने लगा है। जो लड़ाई अभी तक कनाडा और अमेरिका तक सीमित थी। वह भारत में भी देखने को मिलने लगी है। जिसमें राजनैतिक लड़ाई और विचारों को लेकर भारत मैं अलगाववाद की आंतरिक गतिविधियां बढ़ने लगी हैं। कनाडा ब्रिटेन अमेरिका में होने वाली आंतरिक गतिविधियों का असर भारत पर पड़ रहा है। हाल ही में ?ब्रिटेन के ब?र्मिंघम में खा?लिस्तानी अवतार ?सिंह खांडा की मौत के मामले में उनके प?रिजनों ने भारत के ?खिलाफ ?रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुछ महीनों से भारत की पु?लिस उसे परेशान कर रही थी। भारत सरकार को समय रहते इस पर प्रतिक्रिया देने के स्थान पर इस मामले में शांति बरतने से ही भला होगा। राजनीतिक कारणों से आरोप और प्रत्यारोप करने का असर किसान आंदोलन के दौरान किस तरीके से भारत में पड रहा है, इसको भी समझना होगा। केंद्र सरकार को इस संबंध में अब काफी सतर्कता से सोच समझ कर ही अपने कदम बढ़ाना चाहिए। अन्यथा भारत की छवि विदेश में खराब होगी। वही अलगाववादी खालिस्तान समर्थक एक बार फिर विदेश में और देश में फिर अपनी गतिविधियां बढ़ाने में सफल होंगे। पृथक खालिस्तान और पंजाब का मुद्दा तीन दशक के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल रहा है। इसको लेकर उग्रवादी घटनाएं बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार को काफी सजगता और सतर्कता के साथ ही इस मामले को जल्द से जल्द शांत करना होगा अन्यथा इसके भीषण परिणाम भी भोगने पड सकते हैं।

इतनी नफ़रत इतना ज़हर ?

हमारे भारतीय समाज में धार्मिक सद्भावना की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दुनिया भारत के इस सद्भावना पूर्ण इतिहास की मिसालें पेश करती है। भारत को अनेकता में एकता रखने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिस देश में हिन्दू देवी देवताओं के प्रशंसक कवि रहीम,रसखान और जायसी जैसे अनेक कवि हों ,जिस देश में अकबर के सेनापति मान सिंह और महाराणा प्रताप के सेनापति हाकिम ख़ान सूर रहे हों ,जिस देश में छत्रपति शिवजी महाराज के कई सेनापति,नेवल कमाण्डर से लेकर उनके गुप्त दस्तावेज़ पढ़ने व उसका जवाब देने वाले मुस्लिम रहे हों,जिस देश की आज़ादी की लड़ाई में क़ुर्बान होने वाले लाखों हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई शहीदों के नाम से पोर्ट ब्लेयर जेल की दीवारें तथा नई दिल्ली के इण्डिया गेट की शिलायें पटी पड़ी हों,जिस देश की सेना में शहीद होकर ब्रिगेडियर उस्मान व वीर अब्दुल हमीद जैसे हज़ारों शहीदों ने अपनी राष्टभक्ति व कर्तव्यपरायणता की मिसाल पेश की हो। जिस देश की मिसाइल व परमाणु सुरक्षा प्रणाली का जनक भारत रत्न मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम जैसा महान वैज्ञानिक हो, उसी देश में नफ़रत और ज़हर से भरा हुआ संकीर्ण मानसिकता रखने वालों का एक छोटा सा वर्ग ऐसा भी है जो न केवल उपरोक्त तथ्यों को नज़र अंदाज़ करने की कोशिश करता रहता है बल्कि इसके विपरीत साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने तथा नफ़रत के प्रचार प्रसार के काम में भी व्यस्त रहता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि इन स्वयंभू राष्ट्रवादियों के पुरखों का न तो देश के स्वतंत्रता संग्राम में कोई योगदान है न ही देश की आज़ादी के लिये लाठियां-गोलियां खाने वालों में इनका कोई ज़िक्र है। परन्तु दुर्भाग्यवश अंग्रेज़ों की जी हुज़ूरी करने वाले इसी मानसिकता के लोग नफ़रत और साम्प्रदायिक दुर्भावना के सहारे, ख़ासकर देश में हिन्दू-मुस्लिम के मध्य खाई गहरी कर सत्ता में ज़रूर आ गए हैं। और सत्ता में आते ही इनको यह एहसास हो गया है कि चूंकि हमारी सत्ता का आधार ही साम्प्रदायिकता है लिहाज़ा इसे निरंतर धार देते रहना सत्ता में बने रहने के लिये ज़रूरी है। इसी मक़सद के तहत कहीं ज़िलों,शहरों, क़स्बों व स्टेशन्स के नाम बदले जा रहे हैं,मदरसों के ख़िलाफ़ कार्रवाइयां हो रही हैं,हलाल का मुद्दा उठाया जा रहा है,जिहाद,लव जिहाद,अज़ान और हिजाब जैसे विषय उछाले जाते हैं,इतिहास बदले जा रहे हैं। नये इतिहास गढ़े जा रहे हैं। हद तो यह है कि धार्मिक पहचान देखकर मॉब लिंचिंग की जाती है,ट्रेन में धर्म विशेष के यात्रियों को गोली मार दी जाती है,संतों जैसे दिखाई देने वाले व्यक्ति द्वारा मुस्लिम महिलाओं का बलात्कार करने की धमकी लाऊड स्पीकर पर दी जाती है।

पिछले दिनों ऐसी ही रुग्ण मानसिकता के मुट्ठी भर लोगों ने उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के बाद अपनी नफ़रती हरकतों से विवाद खड़ा कर दिया। दरअसल उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर ज़िले के बलवा गांव के साम्या माता मंदिर में शतचंडी महायज्ञ कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस यज्ञ के मुख्य आयोजक पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला थे जिन्होंने यज्ञ में स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक सैय्यदा ख़ातून को यज्ञ आयोजन की मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था। हालांकि यह आयोजन पूरी श्रद्धा के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ और विधायक सैय्यदा ख़ातून ने भी इसमें पूरी श्रद्धा व सम्मान के साथ शिरकत की। परन्तु आयोजन समाप्ति के एक दिन बाद नियोजित तरीक़े से इसी आयोजन में नफ़रत का एंगल साम्प्रदायिकतावादियों द्वारा ढूंढ कर इसे विवादित बना दिया गया। एक स्थानीय छुटभैय्ये भाजपा नेता द्वारा अपनी पार्टी व हिंदू संगठन के अपने चंद साथियों के साथ उसी साम्या माता मंदिर में पहुंचकर मंदिर को गंगाजल से धुलवाया गया। नफ़रत के इन सौदागरों का कहना था कि विधायक सैय्यदा ख़ातून और उनके समाज को जब मंदिर से कुछ लेना-देना नहीं हैं तो फिर वह हमारे धार्मिक स्थल पर क्या करने आई थीं? हम लोग हर मंगलवार यहां पर पूजा करते हैं। वो लोग मांस खाने वाले हैं, पता नहीं क्या खाकर यहां आए और मंदिर को अपवित्र कर गए ?

जबकि साम्या माता मंदिर में आयोजित शतचंडी यज्ञ के मुख्य आयोजक और मंदिर प्रमुख पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला का इस विषय पर कहना है कि वह मंदिर मेरा है, और आज से नहीं सदियों से हिंदू और मुसलमान इस मंदिर में आते जाते थे। अलग-अलग धर्म के लोग आज भी मंदिर में जाते हैं। ये विवाद किस बात को लेकर फैला रहे हैं हम? वे सवाल उठाते हैं, अगर एक मुसलमान के मंदिर जाने पर मंदिर अपवित्र हो जाता है तो हिंदू भी तो मुसलमानों के तीर्थ स्थानों पर जाते हैं। तो उन्हें भी उनके स्थलों पर नहीं जाना चाहिए? पंडित कृष्ण दत्त शुक्ला कहते हैं, हमारे लिए कोई अपवित्र नहीं है. ग्रन्थों में भी यही लिखा है कि मंदिर में जात-पात का कोई भेदभाव नहीं होता है। मंदिर तो धार्मिक स्थल है, वहां कोई भी जाकर के अपना शीश झुका सकता है। सपा विधायक के निमंत्रण पर कृष्णदत्त शुक्ला ने बताया कि जब मंदिर में हमने शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया तो हमारे डुमरियागंज विधानसभा क्षेत्र में जितने भी प्रत्याशी थे हमने सभी को न्यौता दिया था। सबको न्यौता देने के बाद जो हमारे पास आया उसका हमने स्वागत किया। पंडित शुक्ला ने स्पष्ट कहा कि -मंदिर हमारा है, हमारा था और हमारा ही रहेगा। वहां आने वालों में हिंदू और मुसलमान का कोई भेदभाव नहीं है। पहले भी जैसे लोग मंदिर आते-जाते थे, आगे भी वैसे ही आएंगे। उधर विधायक प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश उपाध्याय का इस पूरे मामले पर कहना था कि साम्या माता के शतचंडी यज्ञ में विधायक को न्यौता दिया गया था। विधायक वहां गईं, वहां के पुजारियों ने विधायक का स्वागत सत्कार किया। फिर वहां कुछ दान करके वह वापस चली आईं। जबकि विधायक सैय्यदा ख़ातून इस विषय पर कहती हैं कि विवाद खड़ा करने वालों की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। सोशल मीडिया में और क्षेत्र की जनता के बीच शोहरत पाने के लिए वह ऐसा करते हैं। इन जैसे लोगों की बातों और काम पर मैं ध्यान नहीं देती। ऐसे लोगों को ज़्यादा तवज्जो देने की ज़रूरत नहीं है। विधायक ने कहा कि अगर मेरे क्षेत्र की जनता मुझे बुलाएगी तो मैं ज़रूर जाऊंगी। मेरे लिए मंदिर और मस्जिद, सब खुदा के घर हैं।

ऐसे साम्प्रदायिकता वादियों और समाज में ज़हर घोलने वाले नफ़रत के सौदागरों को उनके इस छिछोरेपन का जवाब देने के लिये बातें तो बहुत की जा सकती हैं। परन्तु क्या यह बता सकते हैं कि 6 नवंबर 2005 को देश के सबसे बड़े मंदिरों में से एक दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन जिस समय अक्षरधाम मंदिर के प्रमुख द्वारा देश के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम द्वारा कराया गया था उस समय यह नफ़रत के सौदागर कहां मुंह छुपाये बैठे थे ? क्या उनकी अब भी दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर को शुद्ध करने की कोई योजना है ? दूसरी बात यह कि मंदिरों या हवन में प्रवेश करने व शामिल होने के लिये क्या शाकाहारी होना ज़रूरी है ? यदि ज़रूरी है,तो फ़ितना फैलाने वाली इसी पार्टी व विचारधारा के तमाम नेता न केवल माँसाहारी हैं बल्कि गोभक्षक भी हैं। देश में सभी धर्मों व जातियों में तमाम मांसाहारी लोग पाये जाते हैं। स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई माँसाहारी थे। देश के गृह मंत्री किरण रिजिजू तो गोभक्षक हैं। इन सबसे किसी को कोई तकलीफ़ नहीं ? भाजपाई मुस्लिम नेता किसी भी मंदिर में जाएँ तो कोई आपत्ति नहीं परन्तु सपा मुस्लिम नेता यज्ञ में गयीं तो आपत्तिजनक ? इस अवसरवादी दोहरे चरित्र को देखकर अक्सर यह ख़याल आता है कि इतनी नफ़रत, इतना ज़हर यह लोग आख़िर लाते कहाँ से हैं ? (लेखक - तनवीर जाफ़री/ईएमएस)

नए सूबेदारों को लेकर उलझन में भाजपा....

किसी अज्ञात जादू की छड़ी से पांच में से तीन सूबे जीतने वाली भाजपा के लिए इन राज्यों में नए सूबेदारों का चयन कितना जटिल काम है ,ये चुनाव नतीजे आने के दो दिन अनिर्णय में बीत जाने से साबित हो रहा है । भाजपा को अब रायशुमारी के बजाय थोपाथापी से काम चलाना पडेगा,क्योंकि तीनों राज्यों में दो से अधिक बार सूबेदार ड मुख्यमंत्री . रह चुके लोग पहले से मौजूद हैं। लेकिन उनका मॉडल बहुत पुराना हो चुका है। वे नए विधायकों को साथ लेकर अपने-अपने सूबों में मोदी की गारंटी जनता को दे पाएंगे ये कहना कठिन है।

सबसे ज्यादा मुश्किल मध्यप्रदेश में है । मप्र में सत्ता का एक अनार है और बीमार अनेक। वहां कायदे से मौजूदा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ही सूबेदार बनने के लिए सबसे सुयोग्य व्यक्ति हैं ,लेकिन उन्हें पांचवीं बार सूबेदारी सौंपना भाजपा के लिए आसान काम नहीं है। पिछले बीस साल में मप्र में बहुत से नए दावेदार पैदा हो चुके हैं। भाजपा चाहे तो चौहान को ही आगामी लोकसभा चुनाव तक मौक़ा दे दे तो कोई नुक्सान होने वाला नहीं है । चौहान को चुनौती देने की स्थिति में फिलहाल मप्र में कोई नहीं है। मैंने देखा है कि पूरा चुनाव चौहान के इर्दगिर्द ही था। सूबेदारी के अन्य दावेदारों में शामिल कैलाश विजयवर्गीय,प्रह्लाद पटेल,वीडी शर्मा,केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और अंत में ज्योतिरादित्य का आदित्य सीमित था । सबसे ज्यादा सभाएं,रैलियां और जनसम्पर्क शिवराज सिंह चौहान के खाते में दर्ज है।

मेरा अनुमान है कि भाजपा हाईकमान मप्र में नए प्रयोग करने से बचेगा,अन्यथा उसे मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है,हालांकि सूबेदारी न मिलने से शिवराज सिंह चौहान बागी होने वाले नहीं हैं, लेकिन प्रदेश की जनता शायद इसे बर्दाश्त न करे। ज्योतिरादित्य सिंधिया कभी सूबेदार बनना नहीं चाहते क्योंकि वे तो सनातन महाराज है। महाराज कभी सूबेदार बनते नहीं किन्तु मोदी है तो मुमकिन भी है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी राजी होना पड़े। बाकी तो सूबेदार बनने के सपने देखते हुए बूढ़े हो चुके हैं।

मप्र की ही तरह राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती बसुंधरा राजे है। वे महारानी कम, सूबेदार ज्यादा है। पहले भी सूबेदारी कर चुकीं हैं और आज भी उन्होंने शायद अपना दावा नहीं छोड़ा है ,किन्तु लगता है इस बार उन्हें निराश ही होना पडेगा,क्योंकि भाजपा हाई कमान राजस्थान को नाथ समप्र्दाय के हवाले करना चाहता है। राजस्थान में भाजपा के पास एक बाबा है भी। वैसे तो भाजपा के पास महारानी के जबाब में एक रानी दीया कुमारी भी हैं लेकिन इनमें से किसी एक के पास भी बसुंधरा राजे जैसी धरा नहीं है। लेकिन कोई तो सूबेदारी करेगा है । देखिये किसकी लाटरी खुलती है। ये तो जाहिर है कि राजस्थान में भी मप्र कि तरह नवनिर्वाचित विधायकों कि पसंद का नेता सूबेदार नहीं बनने वाला है।

सबसे छोटे छत्तीसगढ़में पूर्व के सूबेदार डॉ रमन सिंह हैं ,लेकिन उनका पानी उतर चुका है। यहां एकदम नया चेहरा ही सूबेदार बनाया जायेगा । वो आदिवासी होगा या पिछड़ा ये कहना कठिन है। छत्तीसगढ़ में डॉ रमन सिंह अब भाजपा के लिए उतने महत्वपपूर्ण नहीं रहे जितने कि वे 2018 तक थे। वे विद्रोही स्वभाव के भी नहीं है। वे पार्टी है कमान के किसी भी फैसले को चुनौती देने की स्थिति में भी नहीं हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ को एकदम ताजा चेहरा सूबेदार के रूप में मिलने वाला है। तीनों राज्यों में केवल छत्तीसगढ़ है जहां भाजपा हाईकमान को ज्यादा कसरत नहीं करना पड़ेगी।

भाजपा के नए सूबेदार वे ही होंगे जो भाजपा के सुप्रीमो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन में होंगे। नवनिर्वाचित विधायकों का मन टटोलने का नाटक जरूर होगा ,लेकिन होगा वो ही जो मंजूरे मोदी होगा। मोदी इस समय भाजपा के तारणहार है। उन्होंने जीत के जश्न में भी साफ़ कह दिया था कि अब देश को मोदी की गारंटी के पीछे चलना पडेगा। लेकिन ये देश को तय करना है कि ऐसा हो या नही। देश क्या तय करेगा अभी से नहीं कहा जा सकता। लेकिन एक बात तय है कि यदि आने वाले दिनों में देश का विपक्ष नए सिरे से भाजपा कि धर्मध्वजा लेकर चल रहे विजय के अश्व को नहीं रोकता तो देश आने वाले दिनों में एक अलग तरह का देश होगा ,जिसकी कल्पना न महात्मा गाँधी ने की होगी और न सरदार बल्ल्भ भाई पटेल ने।

बहरहाल सब दिल्ली की और ताक रहे है। तेलंगाना में नए सूबेदार का चयन कांग्रेस के नलिए कोई कठिन काम नहीं है । मिजोरम में भी शायद ही किसी को कोई समस्या हो ,क्योंकि वहां भाजपा तथा कांग्रेस निर्णायक स्थितियों में नहीं है। भाजपा को जो कमाल करना है वो गोबर पट्टी से करना है। दक्षिण और पूरब तो भाजपा के करिश्मे से अभी अछूता है ,हालाँकि भाजपा दक्षिण और पूरब को भी फतह करने के लिए गोटियां बैठने में लगी हुई है। (लेखक राकेश अचल)

आगाज़ तो अच्छा है....! सेमी-फायनल के परिणाम: मोदी की मुख मुद्रा....?

भारतीय धर्म, संस्कृति तथा राजनीति के लिए अगला वर्ष (2024) काफी महत्वपूर्ण सिद्ध होने वाला है, इस वर्ष के प्रारंभ में जहां अयोध्या में चिर-प्रतीक्षित राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा होने वाली है, वहीं धर्म के आधार पर चुनावी राजनीति भी प्रभावित करने की कौशिश हो सकती है, देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं के तेवर तीनों राज्य विधानसभाओं के चुनाव परिणामों से वैसे भी बुलंदी पर है और अब वे भगवान राम व उनके मंदिर के सहारे 2024 के चुनाव की वैतरणी पार करना चाहते है, जिसके संकेत अभी से परिलक्षित होने लगे है, इसका सबसे स्पष्ट संकेत मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान विधानसभाओं के चुनाव परिणामों के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की मुखमुद्रा देखकर ही मिलने लगे है, परिणामों के बाद उनकी गर्विली मुखमुद्रा दर्शनीय थी, जो प्रतिपक्ष को एक नई चुनौती देती नजर आ रही थी।

वैसे विजयी भारतीय जनता पार्टी इस विधानसभाई विजय का श्रेय महिला मतदाताओं को दे रही है और भाजपा की केन्द्र व राज्य सरकारों विशेषकर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के कल्याण से सम्बंधित लागू की गई योजनाओं का जिक्र कर महिला वोट हमेशा अपनी जेब में रखने का प्रयास कर रही है, किंतु इसके साथ भाजपा का लक्ष्य 'हिन्दुत्व' भी है, उसके नेताओं का मानना है कि अयोध्या में राम मंदिर की प्राणप्रतिष्ठा अर्थात् अगले वर्ष के प्रथम मास के बाद पूरे देश में 'हिन्दुत्व' प्रभावशाली हो जाएगा और उसीके बलबूते पर 2024 की जीत का रास्ता खोज लिया जाएगा, इनका मानना है कि अयोध्या में प्राणप्रतिष्ठा किसी एक क्षेत्र विशेष पर नहीं बल्कि देश के उत्तर से दक्षिण तक भाजपा के पक्ष में जबरदस्त लहर पैदा कर देगी, जो 2024 के चुनावों में जीत के लिए काफी है, पार्टी के लिए ये संदेश तीन राज्यों के चुनाव के बाद सामने आए है।

वैसे भी चूंकि अब लोकसभा चुनावों में एक सौ दिन ही शेष बचे है, इसलिए अब देश में राजनीतिक प्रयोगों के माध्यम से मतदाताओं के अपने पक्ष में करने की स्पद्र्धा के अलावा कुछ भी नहीं होना है और देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी व उसके सर्वोच्च नेता देश की राजनीति में कांग्रेस द्वारा पैदा की जा रही शून्यता का पूरा लाभ उठाना चाहते है, अपनी केन्द्र व राज्य सराकरों को दीर्घजीवी बनाना चाहते है और इस प्रयास में उनकी सफलता भी संदिग्ध इसलिए नहीं है क्योंकि आज देश के राजनीतिक पटल पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के अलावा कोई भी अन्य राजनीतिक दल नजर नहीं आ रहा है, देश में दो ही तो मुख्य राजनीतिक दल 'राष्ट्रत्रीय दल' के रूप में जाने जाते है 'भाजपा' और 'कांग्रेस' और अब कांग्रेस के गुमनामी की ओर जाने के कारण भाजपा ही एकमात्र दल है, जिसका कोई विकल्प शेष नहीं रहा है।

अब विधानसभा चुनावों से फुर्सत पाने के बाद राजनीतिक दल अपनी 2024 की योजनाएं तैयार करने में व्यस्त हो गए है, फिलहाल आधा दर्जन प्रमुख मुद्दे है, जिनके इर्द-गिर्द चुनावी रणनीति तैयार किए जाने की संभावना है, ये आधा दर्जन मुद्दे है- महिलाओं के हाथ सत्ता की चाबी, मंहगाई से राहत के लिए केश ट्रान्सफर, राम मंदिर और हिन्दुत्व, मोदी की ग्यारंटी से प्रतिपक्ष को जवाब, जातीय जनगणना तथा ओपीएस (ओल्ड पेंशन स्कीम) की मांग। ये कुछ मुदें है, जिनके माध्यम से अगले चुनाव के समय मतदाताओं को प्रलोभित करने के प्रयास किए जाएगें। अब इनसे देश का मतदाता कितना प्रभावित होता है? यह भविष्य के गर्भ में हैं।

अब जो भी हो, विधानसभा चुनावों का सेमीफायनल निपट गया और भाजपा ने मैदान जीत भी लिया, किंतु इन परिणामों के बाद मोदी जी की मुखमुद्रा भी दर्शनीय थी, परिणामों के बाद जब उन्होंने भाजपा के मुख्यालय में पार्टिजनों को सम्बोधित किया तब उनकी मुखमुद्रा पर जीत का अहंकार स्पष्ट नजर आ रहा था, यह स्पष्ट नहीं था कि यह अहंकार मौजूदा जीत का है या भविष्य की जीत की संभावना का है? किंतु यह सही है कि इस विशेष अवसर पर मोदी की मुखमुद्रा अहंकार में लिपटी अवश्य नजर आ रही थी, जो पार्टी के भविष्य के लिए हितकर कतई नहीं है, राजनीतिक शून्यता के इस माहौल में सत्तारूढ़ भाजपा को अब हर कदम फूंक-फूंक कर रखना चाहिए और इसके लिए भाजपा के दिग्गजों को भारतीय राजनीति के इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। (लेखक - ओमप्रकाश मेहता/ईएमएस)

आज का इतिहास 6 दिसंबर

1732 ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रथम गर्वनर वारेन हेंस्टिंग्स का जन्म.
1906 ट्रांसवाल और आरेंड फ्रीस्टेट को अपनी सरकार गठित करने का अधिकार मिला.
1917 बेल्जियम और फ्रांस के हथियारों से लदे दो जहाजों के बीच हैलीफैक्स में हुई टक्कर में डेढ़ हजार से अधिक लोग मारे गए.
1921 ब्रिटेन और आयरलैंड में शांति संधि हुई.
1925 इटली और मिस्र के बीच लीबियाई सीमा के बारे में समझौता हुआ.
1956 डॉ.भीमराव आम्बेडकर का निधन.
1971 दक्षिण कोरिया में आपात स्थिति लागू की गई.
1975 अमरीकी वायुसेना और नौसेना के अड्डे पर बातचीत करने के लिए राष्ट्रपति केराल्ड फोर्ड फिलीपींस पहुंचे.
1992 अयोध्या में कार सेवकों द्वारा बाबरी मस्जिद का ढाचा ध्वस्त, केंद्र द्वारा उत्तर प्रदेश विधानसभा भंग, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रपति शासन लागू. चार मरे.मुख्यमंत्री कल्याणसिंह का त्यागपत्र.
1994 प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रतापसिंह ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया.

शब्द पहेली - 7848

बाएँ से दाएँ

1.नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3.तहजीब,शिष्टता-3
5.पिता के पिता-2
6.स्मृति-2
8.बारिश,बरखा-4
11.शांति,सन्नाटा-3
13.गिरवी रखी वस्तु-3
14.सूक्ष्म कण -2
15.बारबाला,मधुबाला
16.समझौता-3
18.बहने का भाव-3
20.बारिश का महीना-3
22.मां,मम्मी,मदर-2
24.श्रवणेंद्रिय-2
25.अंधकार,अंधेरा-3
26.अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1.नाज,नखरा,चोंचला-2
2.भाग्य,किस्मत-3
3.अचानक,अकस्मात -3
4.देह,बदन-2
5.बिजली,विद्युत रश्मि-3
7.दबाना,कुचलना-3
9.घोड़ागाड़ी-3
10.जुगत,युक्ति-4
12.कारण-3
16.कृष्ण का गरीब मित्र-3
17.पैंतरा,शर्त-2
19.भार-3
20.बहादुरी-3
21.नेत्र,आंख-3
23.पितामह-2
24.समयगति-2

शब्द पहेली -7847 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

चर्बी से बने ईंधन का कमाल, विमान ने हजारों किमी का तय किया सफर

लंदन (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने ईंधन का ?विकल्प ढूंढने में एक बड़ी उपल?ब्धि हा?सिल की है। उन्होंने फैट यानी चर्बी से खास तरह का ईंधन बनाया ?जिससे ?विमान को हजारों ?किलोमी?टिर उड़ाया है। इससे वैज्ञा?निकों को काफी राहत ?दिखाई दे रही है। बता दें ?कि चर्बी से बने ईंधन में कार्बन का उत्सर्जन करीब 70 फीसदी तक कम होता है। इतना ही नहीं इस ईंधन से जरिए इन वैज्ञानिकों ने विमान उड़ाने में भी सफलता हासिल कर ली है। दरअसल जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए दुनिया भर के वैज्ञानिक जीवाश्म ईंजन यानी पेट्रोल-डीजल का विकल्प खोजने में जुटे हुए हैं। इस दिशा में काफी प्रगति भी हुई है। भविष्य में हाईड्रोजन को इसका एक अच्छा विकल्प भी माना जा रहा है। जब?कि पूरी तरह से उच्च-वसा एवं कम उत्सर्जन वाले ईंधन से संचालित पहले वाणिज्यिक विमान ने मंगलवार को लंदन से न्यूयार्क की उड़ान भरी। इस दौरान इसने अटलांटिक महासागर को पार किया। इसे 'जेट जीरो' की संज्ञा दी जा रही है। विमानन कंपनी 'वर्जिन अटलांटिक' के बोइंग-787 विमान को जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किए बिना संचालित किया गया। उड़ान के लिए इस्तेमाल विमानन ईंधन अपशिष्ट वसा से बना था।

इस मामले में वर्जिन के संस्थापक रिचर्ड ब्रैनसन का कहना है कि जब तक आप कुछ खास नहीं करते, दुनिया हमेशा यह मान कर चलती है कि ऐसा कुछ किया ही नहीं जा सकता। दरअसल ब्रैनसन खुद कॉर्पोरेट और सरकारी अधिकारियों, इंजीनियरों और पत्रकारों सहित अन्य लोगों के साथ विमान में सवार थे। ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने उड़ान की योजना बनाने और संचालित करने के लिए 10 लाख पाउंड (12.7 लाख अमेरिकी डॉलर) यानी 1 अरब रुपये से अधिक दिए हैं। विभाग ने हवाई यात्रा को पर्यावरण के अधिक अनुकूल बनाने के लिए परीक्षण को 'जेट शून्य की दिशा में एक बड़ा कदम' करार दिया। हालांकि व्यापक रूप से इस तरह के ईंधन उत्पादन में अब भी कई बाधाएं हैं।

यात्री बस पेड़ से टकराई, 14 की मौत, 35 घायल

बैंकॉक (ईएमएस)। दक्षिण थाईलैंड के प्रचुआप खीरी खान प्रांत में एक यात्री बस पेड़ से टकरा गई। इससे हुई दुर्घटना में 14 या?त्रियों की मौके पर ही मौत हो गई जब?कि 35 यात्री घायल हो गए। ?मिली जानकारी के अनुसार बस के सड़क से उतरकर एक पेड़ से टकरा जाने से यह भीषण हादसा हुआ है। स्थानीय मीडिया के हवाले से प्राप्त सूचना के अनुसार यह बस राष्ट्रीय राजधानी बैंकॉक से सोंगखला प्रांत के नथावी जिले जा रही थी। मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक जांच की जा रही है।

खेल - समाचार

क्या तीन मैच खेलकर थक गया ईशान किशन, ब्रेक देने पर चयनकर्ताओं पर भड़के अजय जडेजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विराट-रोहित की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया ने टी20 सीरीज में शानदार जीत दर्ज की। इस सीरीज में कुछ खिलाड़ियों को आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिहाज से आजमाया गया। जिसमें से एक नाम ईशान किशन का भी था, जिन्होंने सीरीज में लगातार दो अर्धशतक ठोक दिए। लेकिन आखिरी दो मैच से उन्हें ब्रेक दे दिया गया, इस लेकर पूर्व भारती क्रिकेटर अजय जडेजा ने टीम मैनेजमेंट पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जडेजा ने कहा, विश्व कप के ठीक बाद टी20 सीरीज थी। ईशान को तीन मैंच खेलकर उन्हें आराम दिया गया। क्या वह वास्तव में तीन मैचों के बाद इतना थक गया था कि उस आराम की जरूरत थी? अगर ऐसा जारी रहेगा, तब आप यह कैसे सुनिश्चित करने वाले हैं, कि वह पूरी तरह से तैयार है? उन्होंने विश्व कप में बहुत सारे मैच भी नहीं खेल सके। वह विश्व कप के पहले कुछ मैचों के लिए प्लेइंग इलेवन में जगह पाने के हकदार थे। कितने भारतीय खिलाड़ियों ने अच्छे समय पर दोहरा शतक बनाया है?'

जडेजा ने ईशान की तारीफों के कसीदे गढ़े थे। उन्होंने युवा बल्लेबाज के रवैये के बारे में बातचीत करते हुए कहा, 'इशान किशन का रवैया बहुत अच्छा है। जब वह अच्छा खेलता है, तब मुझे खुशी होती है। वह ऐसा व्यक्ति है जो हर किसी को खुश करता है, वह हर खिलाड़ी का बल्ला, दस्ताने और हेलमेट तैयार रखता है और जब वह बाहर बैठता है, तब कभी शिकायत नहीं करता है। टीम इंडिया साउथ अफ्रीका दौरे पर 3 टी20 मुकाबले खेलने के लिए तैयार है। इस सीरीज का आगाज 10 दिसंबर से होना है।

आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया की झलक दिखाई दिए

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय युवा सितारों से सजी टीम इंडिया ने विश्व कप 2023 फाइनल के ठीक 4 दिन बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज 4-1 से जीत ली। लेकिन भारतीय प्लेयरों की पंक्ति ने ऐसा खेल दिखाया जिसने आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया की झलक दिखा दी। हमारे पास सलामी बल्लेबाज, स्पिनर्स की जोड़ी, डैथ ओवर विशेषज्ञ , फिनिशर आदि के रूप में प्लेयर चिन्हित हो गए। अब टीम ने आगामी आईपीएल शुरू होने से पहले सिर्फ 6 टी20 मुकाबले ही खेलने हैं। इसमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह सीरीज भारतीय प्रबंधन के लिए बहुत अधिक महत्व रखती है। आइए जानते हैं प्रबंधन ने इस सीरीज से क्या-क्या पाया।

यशस्वी जयसवाल (168.29 स्ट्राइक रेट) और रुतुराज गायकवाड़ (159.28 स्ट्राइक रेट) के लिए सीरीज अच्छी रही। गायकवाड़ ने सीरीज में 223 रन बनाए वहीं, जायसवाल ने 138 रन। आगामी टी20 विश्व कप में दोनों में से कोई बैकअप ओपनर की भूमिका निभा सकता है। अगर रोहित प्रारूप से संन्यास लेते हैं, तब उनकी जगह जायसवाल फिट हो सकते हैं और उनका बैकअप रुतुराज हैं। रवि बिश्नोई और अक्षर पटेल दोनों विश्व कप के लिए स्पिन जोड़ी के तौर पर उभरे हैं। बिश्नोई और अक्षर सीरीज में टॉप विकेट लेने वाले टॉप 2 गेंदबाजों में रहे। बिश्नोई 9 विकेटों के साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। वहीं, अक्षर 6.20 की इकोनमी के साथ सबसे किफायती गेंदबाज। वह कुलदीप और रवींद्र जडेजा के साथ भारत के मुख्य स्पिनरों में शामिल हो गए हैं। डैथ ओवरों में मुकेश कुमार की गेंदबाजी सराहनीय रही। उन्होंने स्टीकता दिखाकर जबरदस्त यॉर्कर फेंकी और धीमी गति की यॉर्कर डाल बल्लेबाजों को परेशान किया। जसप्रीत बुमराह औरअर्शदीप सिंह के साथ दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को इस्तेमाल किया जा सकता है।

आईपीएल में केकेआर के लिए बेहतरीन पारियां खेलने वाले रिंकू सिंह भी उम्मीदों पर खरे उतरे। उन्होंने सीरीज में भले ही 105 रन बनाए, लेकिन 50 से अधिक के औसत और 175 के स्ट्राइक रेट से ऐसा किया। आगामी विश्व कप में वह भारत के खाली नंबर 5 को भर सकते हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज को कम मौके मिले लेकिन जितने मिले उसमें उन्होंने 167 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। अब भारत के पास विकेटकीपर के लिए जितेश के साथ ईशान किशन, संजू सैमसन और केएल राहुल जैसे विकल्प हैं, जोकि अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को जितवा सकते हैं।

आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों के नाम

दुबई (ईएमएस)। आईसीसी पुरस्कार आने वाली हैं। इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों में आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर एक विशेष स्थान रखता है, जो सभी प्रारूपों में एक खिलाड़ी की उत्कृष्टता को सम्मानित करता है। जैसे-जैसे वर्ष 2023 अपने अंत के करीब पहुंच रहा है, प्रशंसकों के बीच उत्साह अपने चरम पर पहुंच गया है। हर किसी के मन में सवाल है कि 2023 के लिए आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर का ताज किस खिलाड़ी को पहना जाएगा।

सबसे पहले नाम हैं, शुभमन गिल का, जो कि 2023 में एक क्रिकेट सनसनी के रूप में उभरे हैं, उन्होंने 45 मैचों में 50.42 की प्रभावशाली औसत के साथ 7 शतकों सहित 2118 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए हैं। उन्होंने आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। वह पुरुषों के वनडे में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। सभी प्रारूपों में गिल का लगातार अच्छा प्रदर्शन और प्रत्येक प्रारूप में शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की विशिष्ट सूची में उनका शामिल होना उन्हें इस पुरस्कार का प्रबल दावेदार बनाता है।

इसके बाद डेरिल मिशेल ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना कौशल दिखाया है। उन्होंने साल 2023 में 47 मैचों में 42.64 की औसत और छह शतकों के साथ 1919 रन बनाए है। इसके अलावा उन्होंने गेंद से भी महत्वपूर्ण योगदान देकर 24 विकेट हासिल किए। वनडे विश्व कप 2023 में न्यूजीलैंड के लिए उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया जोकि उन्हें इस पुरस्कार का दावेदार बना रहा है।

टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 34 मैचों में 66.68 के औसत से 1934 रन बनाए, जिसमें 8 शतक शामिल थे। कोहली के शानदार विश्व कप अभियान ने उन्हें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गजों के पहले के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए देखा। अपने शानदार रन-स्कोरिंग और नेतृत्व गुणों के साथ कोहली आईसीसी क्रिकेटर ऑफ द ईयर के प्रबल दावेदार बने हुए हैं।

ट्रैविस हेड ने प्रमुख आईसीसी आयोजनों में ऑस्ट्रेलिया की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 28 मैचों में 47.02 की औसत से 3 शतकों के साथ 1599 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2021-23 फाइनल और वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में उनके उल्लेखनीय योगदान ने उन्होंने दोनों मौकों पर प्लेयर ऑफ द मैच का सम्मान दिलाया। हेड भी संभावित दावेदार है।

टी20 इंटरनेशनल से बाहर रहने के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन कर 34 मैचों में 51.28 की औसत और 4 शतकों के साथ 1795 रन बनाए। 2023 में सभी प्रारूपों में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में उन्होंने समापन किया।

बीसीसीआई ने बायजूस के खिलाफ दिवालिया याचिका दायर की, 22 को सुनवाई

नई दिल्ली,(ईएमएस) भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बायजूस के ?खिलाफ ?दिवा?लिया या?चिका दायर कर दी है। बीसीसीआई ने दावा किया है कि बायजूस ने 158 करोड़ रुपए के भुगतान में भारी चूक की है। कॉरपोरेट दिवालिया कार्यवाही शुरू करने के लिए बीसीसीआई ने एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ से संपर्क किया है। यह मामला बीसीसीआई बनाम मेसर्स थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ है। 28 नवंबर के आदेश के मुताबिक, 6 जनवरी 2023 को ईमेल के जरिए बायजूस को नोटिस जारी किया गया और चूक की रकम 158 करोड़ रुपए थी, जिसमें टीडीएस शामिल नहीं है। यह याचिका दिवालिया संहिता 2016 की धारा 9 के तहत दाखिल की गई है। इसकी सुनवाई एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ में न्यायिक सदस्य के विस्वाल और तकनीकी सदस्य मनोज कुमार दुबे ने की। 28 नवंबर को उन्होंने इस मामले में बायजूस से जवाब मांगा। हालां?कि कंपनी को दो हफ्ते के भीतर जवाब देने को कहा गया है। इसकी मामले में अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी। नया घटनाक्रम बायजूस के इस ऐलान के कुछ महीनों बाद देखने को मिला है जिसमें कंपनी ने कहा था कि उसकी योजना भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी से संबंधित प्रायोजन समाप्त करने की है क्योंकि वह लाभ पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

इस समय कंपनी नकदी का संकट झेल रही है। वह अपनी रणनीतिक पुनर्गठन और अपने नेतृत्व टीम को दुरुस्त कर रही है ताकि परिचालन के मामले में दक्षता हासिल हो। इसके साथ ही नुकसान घटाया जा सके और लाभ हासिल की जा सके। सूत्रों की मानें तो बायजूस ने पुनर्गठन की कवायद के तहत अगले कुछ हफ्तों में अपने करीब 4,000 कर्मचारियों की छंटनी का फैसला लिया है। बायजूस ने तकरीबन 1,000 कर्मचारियों को आज उनका लंबित भुगतान अदा कर कर दिया। इससे इस एडटेक के उन कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है, जो नवंबर के वेतन का इंतजार कर रहे थे। हालां?कि यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब संकटग्रस्त कंपनी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें नई पूंजी हासिल करना, वित्तीय जानकारी में देर और ऋणदाताओं के साथ कानूनी विवाद भी शामिल ?किए गए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारतीय महिला टीम करेगी बेहतर प्रदर्शन

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड के ?खिलाफ टी20 में बेहतर प्रदर्शन करेगी। जानकारी के अनुसार भारत म?हिला टीम बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में उतरेगी। गौरतलब है ?कि हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2.1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची। दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी। दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है। मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं। हालां?कि आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था।

बता दें ?कि इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों हुए, ?जिनमें से भारत ने सिर्फ सात जीते हैं। भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार भारत की जमीन पर टी20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जीता था। उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा। भारत ने घरेलू 50 टी20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा। भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है। दीप्ति शर्मा ने भारत के लिये 16 मैचों में 19 विकेट लिए हैं जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी20 में 323 रन बनाए हैं। जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाए हैं जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन बनाए हैं।

भारतीय म?हिला टीम में हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधु, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मनी शा?मिल हैं। जब?कि इंग्लैंड की टीम में लौरेन बेल, माया बूचियेर, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्सेलेटन, माहिका गौर, डेनियेले गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ, एमी जोंस, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, नेट स्क्विर ब्रंट, डेनियेले वियाट खेलेंगी। मैच का समय शाम 7 बजे से रखा गया है।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी सेंसेक्स और निफ्टी अपने शीर्ष स्तर पर हुए बंद

मुंबई (ईएमएस)। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की शानदार जीत से उत्साहित शेयर बाजार लगातार दूसरे ट्रेडिंग सेशन में तेजी के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को अपने ऑल टाइम हाई लेवल पर बंद हुआ। अमेरिका के मुख्य आर्थिक आंकड़े जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में नरमी के बावजूद भारतीय शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखी गई।

बता दें कि चुनावी नतीजे आने के बाद से बाजार अपने दो ट्रेडिंग सेशन में 1,815 अंक चढ़ चुका है। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 431.02 अंक की छलांग के साथ 69,296.14 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का आज तक का सबसे हाई लेवल है। सेंसेक्स की 20 कंपनियों के शेयर जहां ग्रीन निशान में बंद हुए, वहीं दस के शेयर गिरावट में बंद हुए। इसतरह, एनएसई का निफ्टी-50 भी 168.30 अंक की बढ़त लेकर 20,855.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ, जो इसका नया रिकॉर्ड लेवल है। सेंसेक्स इंडेक्स में पावर ग्रिड का शेयर सबसे ज्यादा 4.46 प्रतिशत का उछाल लेकर बंद हुआ। एनटीपीसी का शेयर 3.89 फीसदी, एसबीआई का शेयर 2.31 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.28 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। साथ ही लाभ पाने वाले अन्य शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन और मारुति भी शामिल हैं। दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक, इंफोसिस, आईटीसी, विप्रो और बजाज फाइनेंस के शेयर गिरावट लेकर बंद हुए। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण मंगलवार को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़कर 350 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया।

वहीं शेयर बाजार में उछाल के तीन प्रमुख कारण रहे

पहला भारतीय जनता पार्टी की तीन राज्यों में बंपर जीत के बाद पावर और यूटिलिटी सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीदारी। दूसरा, पिछले सप्ताह जारी पॉजिटिव मैक्रो इकोनॉमिक डेटा के बाद विदेशी निवेशकों के भारतीय शेयर बाजार में निवेश। रिजर्व बैंक के अपनी द्विमासिक मौद्रिक बैठक में ब्याज दरों को पिछली बार के अनुरूप बनाए रखने के अनुमान ने भी बाजार में तेजी को समर्थन दिया।

स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने सोमवार को 2,073.21 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

सोना 62 हजार के पार, चांदी में भी तेजी

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को भी तेजी के साथ हुई। हालांकि इसके बावजूद भाव सोमवार को 64,063 रुपये का रिकॉर्ड स्तर छूने के बाद करीब 1,400 रुपये गिर चुके हैं। सोने की तरह चांदी के वायदा भाव भी 78,500 रुपये पार करने के बाद अब गिरकर 76,200 रुपये के करीब आ गए हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 457 रुपये की तेजी के साथ 62,826 रुपये के भाव पर खुला। ?फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 311 रुपये की तेजी के साथ 62,680 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था। हालांकि इसी दिन बाद में भाव 1,694 रुपये गिरकर 62,369 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। ?फिलहाल यह करीब 1,400 रुपये की कमी के साथ कारोबार कर रहे थे। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 96 रुपये की तेजी के साथ 76,264 रुपये के भाव पर खुला। ?फिलहाल यह कॉन्ट्रैक्ट 165 रुपये की तेजी के साथ 76,333 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को चांदी के वायदा भाव 78,549 रुपये के भाव पर दिन के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे। ?फिलहाल चांदी के वायदा भाव करीब 2,200 रुपये गिरकर कारोबार कर रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,049 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,042.20 डॉलर था। ?फिलहाल यह 14.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,056.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 24.91 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 24.90 डॉलर था। ?फिलहाल यह 0.10 डॉलर की तेजी के साथ 25.01 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई ने कोल्हापुर के सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द किया

मुंबई (ईएमएस)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पिछले दिनों कुछ बैंकों पर जुर्माना लगाने के बाद अब एक सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। आरबीआई ने कोल्हापुर के इचलकरंजी स्थित शंकरराव पुजारी नूतन नगरी सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द किया है। केंद्रीय बैंक की तरफ से यह कदम बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं होने पर उठाया गया है। आरबीआई की तरफ से एक बयान में बताया गया कि बैंक ने 4 दिसंबर, 2023 को कारोबार की समाप्ति से बैंकिंग ऑपरेशन बंद कर दिया है। बैंक की तरफ से दाखिल आंकड़ों के अनुसार बैंक के 99.85 फीसदी जमाकर्ता जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) से अपनी जमा की पूरी राशि पाने के हकदार हैं। आरबीआई ने बैंक का लाइसेंस रद्द करते हुए कहा ?कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। सहकारी बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूरा भुगतान करने में असमर्थ होगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि यदि यूनाइटेड इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक को अपने बैंकिंग कारोबार को आगे बढ़ाने की इजाजत दी गई तो सार्वजनिक हित पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूरा भुगतान करने में असमर्थ होगा।

देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां आर्डर मिलने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार के कारण नवंबर में एक साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर पहुंच गया। यह अक्टूबर में 58.4 था। मासिक आधार पर गिरावट के बावजूद विस्तार की दर इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक मजबूत है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। सर्वेक्षण सेवा क्षेत्र की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों पर आधारित है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा ?कि भारत के सेवा क्षेत्र ने तीसरी वित्त तिमाही के मध्य में ही वृद्धि की गति खो दी। हालांकि हम सेवाओं की मजबूत मांग देख रहे हैं जिससे नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की गति बढ़ेगी। कीमतों की बात करें तो कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें आठ महीने के निचले स्तर पर फिसल गईं। रोजगार के मोर्चे पर सेवा कंपनियों ने कारोबार के मुख्य तौर पर स्थिर स्तर पर रहने से नई भर्तियां रोकी हैं। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक नवंबर में 57.4 रहा, जो अक्टूबर में 58.4 था।

भारत 2030 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसरः एसएंडपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मंगलवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार भारत 2026-27 में अनुमानित 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि भारत अगले तीन वर्षों में सबसे तेज विकास करने वाला अर्थव्यवस्था होगा। एसएंडपी ने कहा कि 2023-24 में भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है और 2024-25 में विकास दर 6.4 फीसदी होगी। इसके बाद अगले साल 6.9 फीसदी और 2026-27 में 7 फीसदी की तेजी आने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा। श्रम बाजार की संभावनाओं को अनलॉक करना काफी हद तक श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने और कार्यबल में महिला भागीदारी बढ़ाने पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है ?कि इन दोनों क्षेत्रों में सफलता भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का एहसास करने में सक्षम बनाएगी। एसएंडपी को यह भी उम्मीद है कि अगले दशक में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में विस्तार को बढ़ावा देने के लिए घरेलू डिजिटल बाजार में तेजी आएगी, खासकर वित्तीय और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी में। रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र को लेकर भी आशावादी है और उम्मीद करती है कि बुनियादी ढांचे, निवेश और नवाचार के आधार पर देश के ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा।

अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों को बचाने के हो रहे प्रयास

वॉशिंगटन (ईएमएस) अंडमान सागर में फंसे 400 रोहिंग्या मुसलमानों के बचाव के प्रयास तेज कर ?दिए हैं। बांग्लादेश से नाव लेकर ये लोग चले थे, ले?किन ये बीच में ही फंस गए। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने इन शरणार्थियों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया जा रहा है ?कि ये सभी 400 लोग दो बड़ी नावों में सवार होकर बांग्लादेश से निकले थे। इनके पास खाने-पीने का सामान भी अब नहीं बचा है और ये अंडमान सागर में फंस गए हैं। एजेंसी के क्षेत्रीय प्रवक्ता बाबर बलूच ने चिंता जाहिर करते हुए कि अगर इन लोगों को नहीं बचाया गया तो नाव पर सवार सभी लोग मर सकते हैं। उन्होंने मी?डिया को बताया ?कि अगर इन लोगों को बचाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया तो लगभग 400 बच्चे, महिलाओं और पुरुषों की मौत हो सकती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से रवाना हुई नावें लगभग दो सप्ताह से समुद्र में होने की सूचना है। एपी द्वारा संपर्क किए गए एक नाव के कप्तान ने कहा कि उसमें 180 से 190 लोग सवार थे, उनके पास भोजन और पानी नहीं था और इंजन क्षतिग्रस्त हो गया था। कैप्टन मान नोकिम ने कहा, 'वे चिंतित हैं कि वे सभी मरने वाले हैं।' रविवार को, नोकिम ने कहा कि नाव थाईलैंड के पश्चिमी तट से 320 किलोमीटर दूर थी।

सोमवार को संपर्क करने पर थाई नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें नावों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। यूएनएचसीआर के प्रवक्ता बलूच ने कहा कि यह स्थान इंडोनेशिया के सबसे उत्तरी प्रांत आचे से सुमात्रा द्वीप पर लगभग इतनी ही दूरी पर है, जहां शनिवार को 139 लोगों के साथ एक और नाव उतरी थी। उन्होंने कहा कि उनमें 58 बच्चे, 45 महिलाएं और 36 पुरुष शामिल हैं, जो समुद्री यात्रा करने वालों के विशिष्ट संतुलन को दर्शाता है। पिछले महीने सैकड़ों लोग आचे पहुंचे। बता दें कि ये रोहिंग्या आमतौर पर बांग्लादेश में भीड़भाड़ वाले शरणार्थी शिविरों से आते हैं।

इजरायल-हमास युद्ध के बीच घर में घिरे नेतन्याहू, भ्रष्टाचार के मामले की जांच शुरू

तेलअवीव (ईएमएस)। इजरायल-हमास युद्ध को शुरू हुए दो महीने का वक्त हो चुका है। गाजा पट्टी में इजरायल डिफेंस फोर्स कहर ढहा रही है। इसी बीच इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के लिए बुरी खबर आई। नेतन्याहू अपने ही देश में बुरी तरह घिरते नजर आ रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार के एक मामले में जांच फिर से शुरू हो गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बेजेक-वाला रिश्वत मामले में प्रधानमंत्री के खिलाफ यरुशलेम में सुनवाई फिर से शुरू होगी।

युद्ध के कारण अदालत लगभग ढाई महीने के अवकाश पर थी, इस दौरान केवल अत्यावश्यक सुनवाई ही हुई थी। अदालत नेतन्याहू के विभिन्न भ्रष्टाचार के मामलों को अत्यावश्यक नहीं माना था, इसलिए युद्ध के कारण उन्हें रोक दिया गया था। इस मामले को केस 4000 के नाम से जाना जाता है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि नेतन्याहू ने समाचार वेबसाइट पर अनुकूल मीडिया कवरेज के बदले बेजेक टेलीकम्युनिकेशंस को लाभ पहुंचाने के लिए नियामक कदम उठाए। वाल्ला का स्वामित्व पहले बेजेक के पास था।

नेतन्याहू के राजनीतिक दल लिकुड के सदस्यों ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए अभियोजकों की आलोचना की। कहा गया कि देश हमास के साथ युद्ध लड़ रहा है। उस वक्त में इन सब चीजों का कोई मतलब नहीं है। न्याय मंत्रालय में मंत्री और लिकुड सदस्य डेविड एम्सलेम ने कहा, 'युद्ध? बंधक? पलायनकर्ता? अर्थव्यवस्था? नहीं और द्दद्दह्हड्ड अब जो सबसे महत्वपूर्ण है वह है इजरायल के प्रधानमंत्री को निराधार आरोपों और भ्रामक छोटी-छोटी बातों में उलझाना। हां, ह्ध्रद्दह्हह्ह्द्धद्धा सही पढ़ा। इसमें देरी करने का कोई कारण नहीं है। यह एक अपमान है!

इजरायली मीडिया के अनुसार, लाहव 433 प्रमुख अपराध इकाई के एरन बुचनिक और डोटन मालिची, और सिक्योरिटीज अथॉरिटी के जांचकर्ता, केस 4000 जांच टीम के जांचकर्ता लियोर स्पित्ज को अदालत के सामने गवाही देनी है।

यूक्रेन पर आक्रामक हुआ रुस, गोलीबारी में दो की मौत और तीन घायल

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन के खेरसन में रूसी हमलों में दो की मौत हुई और तीन लोगों के घायल होने की खबर है। क्षेत्रीय अभियोजकों ने हमले की युद्ध अपराध जांच शुरू की, जो सुबह 9 बजे के आसपास हुआ और एक 48 वर्षीय पुरुष और एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि रूसी सेना द्वारा दक्षिणी यूक्रेन के शहर खेरसॉन पर की गई गोलाबारी में कम से कम दो लोग मारे गए और तीन घायल हो गए। आतंकवादी, यूक्रेन के राष्ट्रपति प्रशासन के प्रमुख एंड्री यरमक ने फुटपाथ पर पड़े शवों की दो छवियों के साथ टेलीग्राम पर पोस्ट किया। खेरसॉन के मेयर रोमन म्रोचको ने कहा कि एक चिकित्सा सुविधा पर एक अलग तोपखाने के हमले में दो डॉक्टर घायल हो गए।

बता दे कि इससे पहले सोशल मीडिया पर एक फुटेज आया है जिसमें दिख रहा है कि खंदक से निकल रहे दो सैनिकों को बहुत नजदीक से गोली मारी जा रही है। इस धुंधले वीडियो में दिख रहा है कि डर के मारे ये सैनिक बाहर आ रहे हैं और वे जमीन पर लेट जा रहे हैं। उनमें एक ने अपने हाथ ऊपर कर रखे हैं। उसी बीच कुछ रूसी सैनिक सामने आते हैं एवं उनपर गोलियां चला देते हैं।

इसके अलावा रूस की सेना में सेवारत छह नेपाली नागरिक यूक्रेन के साथ युद्ध में मारे गए हैं। नेपाल सरकार ने सोमवार को यह घोषणा की। इसी के साथ सरकार ने रूस से आग्रह किया है कि वह नेपाल के नागरिकों की भर्ती अपनी सेना में नहीं करे।

लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल स्थापित

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमे?रिका ने कहा है ?कि वह लाल सागर में नौवहन की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल की स्थापना पर ?विचार कर रहा है। दरअसल यमन में ईरान समर्थित हूतियों द्वारा तीन पोत पर मिसाइल हमले किए जाने के एक दिन बाद अमेरिका ने कहा है कि वह लाल सागर में वाणिज्यिक पोतों की सुरक्षा के लिए एक नौसेना कार्यबल की स्थापना करेगा। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए ऐसे कदमों को स्वाभाविक प्रतिक्रिया बताते हुए कहा कि अमेरिका पोतों की सुरक्षा के लिए नौसेना कार्यबल के गठन को लेकर सहयोगी देशों के साथ सक्रियता से वार्ता कर रहा है हालांकि इसे अब तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी सेना ने बताया कि रविवार को यमन के हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों से तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया, जबकि एक अमेरिकी युद्धपोत ने आत्मरक्षा में तीन ड्रोन को मार गिराया। जेक सुलिवन ने इस संबन्ध में संवाददाताओं से कहा ?कि हम एक समुद्री कार्यबल के बारे में अन्य देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं, जिसमें अमेरिका के साथ-साथ साझेदार देशों के जहाजों को भी सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसी तरह के कार्यबल का इस्तेमाल सोमालिया के तट सहित अन्य जगहों पर वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा के लिए भी किया जाता है।

पनामा नहर में कई जहाज फंसे, सप्लाई कम होने से कीमतें बढ़ने की आशंका

लंदन (ईएमएस)। दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक सामान पहुंचाने के लिए पनामा नहर का उपयोग किया जाता है। कार्गो से लदे हुए जहाज पनामा नहर के माध्यम से 82 किलो मीटर का सफर करके एक कोने से दूसरे कोने तक सामान पहुंचाने का काम होता है।

पनामा नहर का पानी कम हो जाने के कारण कई जहाज पिछले कई दिनों से पनामा नहर में ही फंसे पड़े हैं। जिसके कारण इंटरनेशनल स्तर पर सप्लाई में बाधा उत्पन्न हो रही है। निश्चित समय सीमा पर समान नहीं पहुंच पा रहा है। जिसके कारण सामान के दाम भी बढ़ रहे हैं।

उपभोक्ताओं के समान जिसमें फल और ईंधन के लिए लोगों को भारी इंतजार करना पड़ रहा है। सप्लाई नहीं मिल पाने के कारण आयातकों और निर्यात का कारोबार करने वाले लोगों को भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहाज फंसने के कारण बीमा कंपनियों के ऊपर भी नुकसान की आशंका बढ़ गई है। दुनिया भर में जब सरकारें महंगाई कम करने के लिए प्रयास कर रही है। उस समय पनामा नहर में पानी कम हो जाने के कारण जो जहाज फंस गए हैं। उनको निकाल पाना एक सबसे बड़ी समस्या बन गया है। नहर के सूखने की स्थिति भी पैदा हो सकती है। इसको लेकर पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है। 120 साल के बाद यह स्थिति देखने को मिल रही है।

इंडोनेशिया में फिर हुआ ज्वालामुखी विस्फोट, तलाशी अभियान में आई रुकावट

पडांग (ईएमएस)। इंडोनेशियाई में ज्वालामुखी ?विस्फोट के बाद तलाशी अभियान में रुकावट आ गई है। ? प्राप्त जानकारी के अनुसार ?बचावकर्मियों ने माउंट मरापी में सोमवार को फिर से हुए ज्वालामुखी विस्फोट के बाद 12 पर्वतारोहियों की तलाश रोक दी है। अधिकारियों ने बताया कि दोबारा हुए विस्फोट के बाद आसमान में 800 मीटर तक राख की मोटी चादर फैल गई। वेस्ट सुमात्रा की खोज और बचाव एजेंसी के प्रमुख अब्दुल मलिक ने इस संबन्ध में कहा कि दिन में 11 पर्वतारोहियों के शव बरामद किए गए हैं, लेकिन दोबारा हुए विस्फोट के कारण उन्हें ले जाने के प्रयास में भारी परेशानी आई है। उन्होंने कहा कि स्थिति में सुधार होने के बाद तलाशी अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में बचावकर्मियों को एक घायल पर्वतारोही को स्ट्रेचर पर पहाड़ से बाहर निकालते हुए और अस्पताल ले जाने के लिए इंतजार कर रही एम्बुलेंस में डालते हुए दिखाया गया है।

इससे पहले माउंट मरापी में रविवार को भी विस्फोट हुआ था, जिससे आसमान में राख की मोटी परत छा गयी और राख के बादल कई किलोमीटर तक फैल गए। ज्वालामुखी विज्ञान और भूवैज्ञानिक आपदा शमन केंद्र के प्रमुख हेंड्रा गुनावां ने कहा ?कि ज्वालामुखी 2011 के बाद से चार चेतावनी स्तरों में से तीसरे उच्चतम स्तर पर बना हुआ है, यह स्तर सामान्य से ऊपर ज्वालामुखी गतिविधि का संकेत देता है तथा शिखर के तीन किलोमीटर क्षेत्र के भीतर पर्वतारोहियों और ग्रामीणों की आवाजाही को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा ?कि इसका मतलब है कि चोटी पर कोई चढ़ाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहियों को काम खतरनाक क्षेत्रों में जाने की अनुमति थी, लेकिन उनमें से कई ने आगे चढ़ने की अपनी संतुष्टि को पूरा करने के लिए नियमों को तोड़ दिया।

ओएनजीसी मई में वाणिज्यिक तेल उत्पादन शुरू करेगी: मंत्री

नई दिल्ली (ईएमएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एवं नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी। यह जानकारी राज्यसभा को दी गई। एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने कहा कि ओएनजीसी की केजी बेसिन परियोजना, केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2,चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में आता है। परियोजना कार्यान्वयन में कई चुनौतियों और मुद्दों के कारण देरी हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी अगले साल मई में कृष्णा गोदावरी बेसिन में गहरे सागर में स्थित अपनी प्रमुख परियोजना से कच्चे तेल का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगी।

विधानसभा चुनाव परिणामों से और मजबूत होगा इंडिया गठबंधन-अखिलेश

लखनऊ (ईएमएस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चार राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों को भाजपा के लिए चिंता का विषय करार देते हुए दावा किया है कि इन नतीजों से विपक्ष का इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) और मजबूत होगा।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में कहा कि हाल ही में जो चुनाव परिणाम आए हैं, इससे मैं समझता हूं कि इंडिया गठबंधन और मजबूत होगा। इस गठबंधन से जनता को और उम्मीद बढ़ेगी कि उसे और मजबूत कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि हाल में जो परिणाम आए हैं, वे भाजपा के लिए चिंता का विषय होने चाहिए। हो सकता है कि लोगों को लगे कि मैं यह क्या बात कह रहा हूं लेकिन भाजपा के लिए चिंता इस बात की होनी चाहिए क्योंकि जनता का मूड परिवर्तन का है।

सपा प्रमुख ने मध्य प्रदेश की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर एक प्रदेश में कांग्रेस पार्टी या जो दल था उसका व्यवहार वैसा ना होता तो परिवर्तन वहां भी हो जाता। जीत के बावजूद चुनाव परिणाम भाजपा के लिए चिंता का विषय कैसे हो सकते हैं, इस सवाल पर पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि जीत जो हुई है, हो सकता है वह कल भाजपा की हार का संदेश हो। मैंने तो सभी चौनलों को देखा है या जो अखबारों में देखा है, उसमें कहा गया है कि जनता का परिवर्तन का मूड था। उन्होंने दलील दी कि राजस्थान में परिवर्तन क्यों आया क्योंकि जनता परिवर्तन चाहती थी। छत्तीसगढ़ में क्यों परिवर्तन आया, क्योंकि जनता परिवर्तन चाहती थी। अगर हम इन चार राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और तेलंगाना) के चुनावों का विश्लेषण करें तो यही बात समझ में आती है कि जनता परिवर्तन चाहती है तो फिर जब दिल्ली (लोकसभा) का चुनाव होगा तो जनता परिवर्तन क्यों नहीं चाहेगी। इसलिए यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार से पूछे जा रहे सवाल अब भी अपनी जगह कायम हैं। उन्होंने कहा कि जो सवाल हैं, वे कभी कहीं गए नहीं हैं। भाजपा को बताना चाहिए अगर वह जीत गई है तो पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी क्यों नहीं हुई। भाजपा को कहना चाहिए कि अब कोई बेरोजगार नहीं है और महंगाई का भी समाधान हो गया है। कहा गया कि आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगी। मैं अभी सदन में था। मुख्यमंत्री जी, उनके सहयोगियों और कैबिनेट के लोगों ने एक बार भी पूरक बजट में एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की बात नहीं की। अगर भाजपा को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था चाहिए तो आज विकास दर 34 प्रतिशत होनी चाहिए। क्या भाजपा ने यह विकास दर हासिल कर ली है? उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश होने के सरकार के दावों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यादव ने कहा कि हमें बताया जाए कि वास्तव में निवेश कहां पर हुआ है और अगर निवेश हुआ है तो लोगों को नौकरी और रोजगार भी मिला होगा। वह कोई जिला या तहसील बता दें कि हमने जो एमओयू साइन किए थे उसके जरिए अमुक जिले में यह निवेश मिला है और इससे इतने लोगों को रोजगार मिला है। सरकार कभी वास्तव में हुए निवेश के बारे में नहीं बताती। सच्चाई यह है कि आज घर-घर बेरोजगार बैठे हुए हैं। उन्होंने विकास के आंकड़ों पर तंज करते हुए कहा कि आंकड़े क्या कहते हैं उस पर मैं बाद में जाऊंगा लेकिन जो आंखों से दिखता है वही विकास होता है। सरकार प्रति व्यक्ति आय के झूठे आंकड़े पेश करती है।

अरब सागर में 40 मछुआरों वाली नाव लापता, तलाश शुरू

बेंगलुरु (ईएमएस)। अरब सागर में 40 मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव लापता हो गई है। यह घटना राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार की है। सूत्रों के अनुसार, नाव पिछले सप्ताह कर्नाटक के अधिकार क्षेत्र में अरब सागर में मौसम की विपरीत स्थिति के बीच लापता हो गई थी। गोवा में पंजीकृत क्रिस्टोरी नाम की नाव के इंजन में तकनीकी समस्याओं का सामना करने और तेज हवाओं के कारण नाव के बह जाने का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, यह गोवा के पणजी से रवाना हुआ था और आखिरी जीपीएस सिग्नल उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में बेलिकेरी के पास रिकॉर्ड किया गया था। चार दिन तक सिग्नल नहीं मिलने के बाद तटीय गार्डों ने लापता नाव का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है।

इजरायल का गाजा पर नियंत्रण, हमास की सुरंगों में पंप लगाकर भर रहे पानी

गाजा (ईएमएस) इजरायल ने गाजा पर अपना ?नियंत्रण कर ?लिया है। अब वह हमास को चौतरफा निपटाने में जुटा हुआ है। इसी?लिए सुरंगों में पंप से पानी भरकर हमास के लड़ाकों को बाहर ?निकलने के ?लिए मजबूर ?किया जा रहा है।

?जानकारी के अनुसार इजरायली सेना ने पंप मंगा लिए हैं और उनके जरिए हमास के बनाए बंकरों और सुरंगों में पानी भरा जा रहा है। इजरायली सेना का कहना है कि इससे या तो हमास के लड़ाके सुरंगों से बाहर निकलेंगे या फिर वे अंदर ही मारे जाएंगे। मी?डिया रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर मध्य में उत्तर गाजा में इजरायल की सेना ने 5 पंप मंगाए थे। इनके जरिए कुछ सुरंगों में चंद घंटों में ही हजारों क्यूबिक मीटर पानी भरा गया था। अब इजरायल ने इस कार्रवाई को और तेज करने का फैसला लिया है। हालांकि यह साफ नहीं है कि इजरायल सभी बंधकों की रिहाई से पहले ही पूरे गाजा में यह ऐक्शन करेगा या नहीं। इसकी वजह यह है कि इजरायल का कहना है कि हमास ने बंधकों को सुरक्षित स्थानों और सुरंगों में छिपा रखा है। ऐसे में टनल में पानी भरा जाएगा या फिर बंधकों की रिहाई तक इंतजार होगा।

हालां?कि अभी इसे लेकर मंथन चल रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि यह रणनीति सही है। हमास को कमजोर करना जरूरी है और उसके लिए हर तरीका अपनाना होगा। इजरायल के रक्षा मंत्रालय ने इसे लेकर कोई बात नहीं कही है। इस बारे में पूछे जाने पर इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने सुरंगों में पानी भरने पर कुछ नहीं कहा। ले?किन यह जरूर कहा कि हम हमास का खात्मा करने में जुटे हैं। इसके लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जाएंगे। इजरायल ने इस बारे में अमेरिका को पिछले महीने ही जानकारी दी थी।

चार रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल

वाशिंगटन (ईएमएस) चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अमे??रिका के राष्ट्रपति पद की चौथी बहस में शामिल हो गए हैं। इनमें दो भारतीय-अमे??रिकी भी हैं। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी (आरएनसी) ने घोषणा की है कि भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी समेत राष्ट्रपति पद के चार रिपब्लिकन उम्मीदवार अलबामा में बुधवार रात को होने वाली चौथी बहस के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके हैं। अन्य दो उम्मीदवार फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पद के चार उम्मीदवार टस्कलोसा में आमने-सामने होंगे, जो इस साल अब तक का सबसे छोटा बहस चरण होगा। बताया जा रहा है ?कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, जो रिपब्लिकन नामांकन के लिए वर्तमान में सबसे आगे हैं, इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे, क्योंकि उनके पास पिछली सभी बहसें हैं और इसकी बजाय वे फ्लोरिडा में एक धन संचयन कार्यक्रम में भाग लेंगे। आयोवा कॉकस द्वारा 2024 रिपब्लिकन नामांकन कैलेंडर खोलने से केवल छह सप्ताह पहले पार्टी ने यह घोषणा की। हालां?कि चौथी बहस में जगह बनाने के लिए, उम्मीदवारों को आरएनसी द्वारा निर्धारित उच्च दाता और मतदान मानदंडों को पूरा करना था। इसके अलावा उनके पास लगभग 80 हजार एक्सक्लूजिव दानदाता होने चाहिए, जिनमें से कम से कम 200 बीस प्रांतों या क्षेत्रों में होने चा?हिए।

करोड़पति की बीवी ने जाहिर किया दुख, बना रहता है हमेशा सुंदर दिखने का टेंशन

लंदन (ईएमएस) एक करोड़प?ति की बीवी ने अपना दुख शेयर ?किया है। उसने बताया ?कि अनेक परेशा??नियां होती हैं, ले?किन सबसे ज्यादा टेंशन तो हमेशा सुंदर ?दिखने का बना रहता है। यह दबाव कभी कम नहीं होता है। बता दें ?कि दुबई से ऐसी कई महिलाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल होते रहते हैं, जो अपने अमीर पतियों से मिली लाइफस्टाइल को जमकर फ्लॉन्ट करती हैं। ले?किन इनमें एक ऐसी ही करोड़पति हाउसवाइफ ने अपनी ज़िंदगी में दुखों की भी खुलासा किया है। लोग सोच रहे होंगे कि भला करोड़पति बनने के बाद किसी को क्या दुख हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है। टिकटॉक पर इस महिला ने एक-दो नहीं बल्कि अपने तमाम दुखों का खुलासा किया है। सौदी नाम की इस महिला का कहना है कि लोग समझते हैं कि वो तनावमुक्त है, लेकिन ऐसा नहीं है। वो बताती है कि उसे महंगे रेस्तरां में परोसा जाने वाला डेर सारा खाना पसंद नहीं है। उसे बिल्कुल अच्छा नहीं लगता, जब दूसरी महिलाएं उसके पति का ध्यान आकर्षित करती हैं। इसके अलावा जो सबसे बड़ी बात उसे अपनी ज़िंदगी में बुरी लगती है, वो हर वक्त सुंदर दिखने का प्रेशर है।

उसने बताया ?कि इसके लिए उसे लगातार सैलून और पार्लर जाना पड़ता है। हालां?कि ये तो बात रही उसके दुख की। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि सौदी अपने पति जमाल के लाखों रुपये शॉपिंग में उड़ा देती है। वो 500,000 ?दिनाय यानि 4 करोड़ रुपये की यूरोप ट्रिप पर गई थी, जहां उसने करीब 42 लाख की डिज़ाइनर शॉपिंग की थी। लोगों ने जब महिला की आलीशान ज़िंदगी और उसकी बातें सुनी तो उन्होंने उसे दिखावा बताया। कईयों ने तो यहां तक कहा कि य?दि आपको इतनी तकलीफ है तो गरीबों में अपनी दौलत दान कर दी?जिए।

जन हितैषी

गुजरात 7 दिसंबर 2023 को गुजरात प्री-वाइब्रेंट कार्यक्रम की मेजबानी करेगा

- कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र हेतु निवेशकों एंव व्यापारिक समुदाय को आमंत्रित करने का आयोजन

गांधीनगर (ईएमएस)। 10वें वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 के पूर्वार्ध के रूप में 7 दिसम्बर 2023 को ''लेवरेजिंग लॉजिस्टिक स्ट्रेन्थ ऑफ गुजरात फॉर एग्रो एंड फूड प्रोसेसिंग सेक्टर'' विषय पर प्री-वाइब्रेंट सेमिनार आणंद के सरदार वल्लभभाई पटेल ऑडिटोरियम में आयोजित होने जा रहा है। यह प्री-इवेंट कार्यक्रम गुजरात के कृषि, पशुपालन, गौ संवर्धन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास और ग्रामीण विकास, कैबिनेट मंत्री राघवजीभाई पटेल के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। साथ ही, इस कार्यक्रम में नमक उद्योग, मुद्रण और स्टेशनरी, प्रोटोकॉल (सभी स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी और ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा (पांचाल) और पंचायत एवं कृषि राज्य मंत्री बचू खाबड़ भी सम्मानित अतिथि के तौर पर उपस्थित होंगे। यह आयोजन राज्य सरकार और निजी क्षेत्र के लिए राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चरल और लॉजिस्टिकल स्ट्रेन्थ पर सहयोग और चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। इन स्ट्रेन्थ ने 30 हजार से अधिक फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स की स्थापना में योगदान दिया है और निर्यात के लिए बेहतर कनेक्टिविटी होने के कारण सरप्लस प्रोडयूस में वैल्यू एडिशन के दायरे का विस्तार किया है। उल्लेखनीय है कि यह आयोजन आणंद में अमूल के सहयोग से आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत जीएआईसीएल के प्रबंध निदेशक डी एच शाह (आईएएस) के स्वागत संबोधन से होगा और उसके बाद गुजरात सरकार पर एक ऑडियो विजुअल फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा।

गुजरात के कृषि, पशुपालन, गौ संवर्धन, मत्स्य पालन, ग्रामीण आवास और ग्रामीण विकास, कैबिनेट मंत्री राघवजीभाई पटेल, नमक उद्योग, मुद्रण और स्टेशनरी, प्रोटोकॉल, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी और ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा (पांचाल), पंचायत एवं कृषि राज्य मंत्री बचू खाबड़, गुजरात के कृषि, किसान कल्याण और सहयोग विभाग के अपर मुख्य सचिव एके राकेश (आईएएस) राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. मीनेश शाह; रसना प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पिरुज़ खंबाटा, आईआईएम अहमदाबाद के विज़िटिंग प्रोफेसर, प्रो. वसंत गांधी इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

इस समिट में तीन सत्र होंगे जिनमें उद्योग और शिक्षा जगत दोनों के पैनलिस्ट होंगे, जिनमें निम्नलिखित विषय शामिल होंगे-

1. वाइब्रेंट गुजरातः व्हेयर ग्रोथ इज़ नैचुरल
2. फूड सप्लाय चेन मैनेजमेन्ट फॉर वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर
3. गुजरात फोर्टिफाइंग ग्लोबल फूड प्लैटर विद ग्रीन्स, व्हाइट एंड ब्लू

पैनल चर्चा में विभिन्न विषयों को शामिल किया जाएगा, जिसमें नए स्टार्टअप के लिए इनक्यूबेशन समर्थन और क्लस्टर-केंद्रित निर्यात से लेकर खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए ब्लॉकचेन तक शामिल होंगे। एनडीडीबी, रसना, यूपीएल, आईबीएम कंसल्टिंग, टाटा सोलफुल, एपीईडीए, आईआईएमआर, नेडस्पाइस इंडिया और हैरिसन वेंचर्स जैसे संगठनों के प्रतिष्ठित वक्ता भी इस कार्यक्रम में अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे। राज्य मंत्री (सहकारिता) जगदीश विश्वकर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेन्स में कहा, ''गुजरात में कृषि और डेयरी सहकारी समितियां काफी मजबूत हैं। आणंद सहकारी आंदोलन का केंद्र है। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में तकनीकी प्रगति के साथ वैल्यू एडिशन ही आगे बढ़ने का रास्ता है। इस कार्यक्रम के दौरान कई एमओयू होने की उम्मीद है। इस समिट में उद्योग, शिक्षा जगत और सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले देश भर से 1500 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी होगी।

जीएआईसी के एमडी ने कहा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के ''विकसित भारत2047'' की दिशा में हमारी यात्रा में एक प्रमुख योगदानकर्ता बनने के लिए तैयार है। भारत सरकार द्वारा इस क्षेत्र को दिए गए इनपुट के अनुरूप, गुजरात सरकार ने भी आत्मनिर्भर गुजरात योजना 2022 में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में पहचाना है। हम इस प्री-वाइब्रेंट इवेंट के माध्यम से उद्योगों को आने और इसका लाभ उठाने के लिए आमंत्रित करते हैं। एसोचैम गुजरात काउंसिल में एग्रो-फूड प्रोसेसिंग कमेटी के चेयरमैन धवल रावल के धन्यवाद संबोधन के साथ इस कार्यक्रम का समापन होगा।

मिचोंग चक्रवात के असर से गुजरात में दो दिन बेमौसमी बारिश की संभावना

अहमदाबाद (ईएमएस)। चक्रवाती तूफान मिचोंग ने दक्षिण भारत में भारी तबाही मचाई है। इस चक्रवात का सबसे ज्यादा असर तमिलनाडु के चेन्नई में नजर आ रहा है। मिचोंग चक्रवात के असर से गुजरात में दो दिन बारिश की संभावना है। हांलाकि भारी बारिश नहीं बल्कि हल्की बारिश हो सकती है। क्षेत्रीय मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिन गुजरात में भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। लेकिन हलकी बारिश हो सकती है। जिसमें सूरत, भरुच, तापी और नर्मदा जिले में बारिश की संभावना है। सौराष्ट्र और कच्छ में भी कई जगह बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्र में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टर्बन्स साइक्लोनिक सर्क्युलेशन में तब्दील हो गया है। जिसकी वजह से अहमदाबाद में आसमान बादलों से घिरा रहेगा। मिचोंग चक्रवात के कारण आगामी दिनों में तापमान का पारा गिरेगा और तेज हवा चलने की संभावना है। मौसम के जानकार अंबालाल ने भी राज्य में बेमौसमी बारिश की संभावना व्यक्त की है। अंबालाल के मुताबिक दिसंबर महीने के अंत तक गुजरात में बारिश हो सकती है। इस दौरान राज्य के अनेक जिलों में सामान्य बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक आज दोपहर 1 बजे आंध्र प्रदेश के नेल्लोर तट से टकराया था और उसके बाद वहां 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है। मिचोंर चक्रवात का सबसे ज्यादा असर चेन्नई में दिखाई दिया। एनडीटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई को जोड़ने वाली एक हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई। इसकी वजह यह थी कि चक्रवाती तूफान मिचोंग के कारण हुई भारी बारिश के चलते एयरपोर्ट पूरी तरह से बंद करना पड़ा। अब इस चक्रवात का असर गुजरात में देखने को मिलेगा। हांलाकि इसकी वजह से राज्य में हलकी बारिश हो सकती है।

रसोई को लेकर मानसिक रूप से बीमार बेटे ने माता की हत्या कर दी

भावनगर (ईएमएस)। जिले के तलाजा में मानसिक रूप से बीमार युवक ने रसोई को लेकर अपनी माता पर जानलेवा हमला कर दिया। लहुलूहान हालत में घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डोक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भावनगर जिले के कुंढडा गांव निवासी मूलजीभाई मोहनभाई पंडया अहमदाबाद में सरकारी नौकरी करते थे। सेवा के दौरान दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई थी। मूलजीभाई की मौत के बाद उनकी पत्नी रेखा पंडया और दो बेटे निराधार हो गए। हांलाकि मूलजीभाई की मौत सेवा के दौरान हुई थी, इसलिए अनुकंपा के आधार पर उनकी पत्नी रेखा पंडया को तलाजा ट्रेजरी में सरकारी नौकरी मिल गई। जिसके बाद रेखा पंडया दोनों बेटों के साथ तलाजा में रहने लगी। दो बेटों में छोटा बेटा फिलहाल पढ़ाई कर रहा है, जबकि बड़ा पुत्र के मानसिक रूप से बीमार होने से उसका इलाज चल रहा है। रेखा पंडया आज भोजन करने घर पर आई थी। घर में रसोई को लेकर बड़े बेटे और रेखा पंडया के बीच झगड़ा हुआ। उस दौरान गुस्साए बेटे ने घर में पड़ा एक टूटा हुआ बेट उठाया और अपनी माता रेखा पंडया के सिर पर दो बार जोरदार प्रहार किया। सिर में बेट लगने से रेखा पंडया के सिर से लहू बहने लगा और वह वहीं ढेर हो गई। घटना के बाद रेखा पंडया को एम्ब्युलैंस 108 की मदद से तुरंत तलाजा रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डोक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया और मृतका के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में खुलासा

पूरे देश में सबसे ज्यादा २००० के नकली नोट गुजरात से पकड़े गए

राष्ट्रीय स्तर पर, कर्नाटक सूची में गुजरात के करीब है, जहां सभी मूल्यवर्ग के ४.५९ लाख नकली नोट जब्त किए गए हैं ।

अहमदाबाद, ५ दिसंबर। काले धन पर लगाम लगाने के लिए २०१६ में देश में नोटबंदी की गई थी. नोटबंदी के बाद २००० रुपये के नोट जारी किये गये थे । जो सबसे अधिक मूल्य का करेंसी नोट था. हालाँकि, तब भी सवाल उठे थे कि काले धन पर लगाम लगाने के लिए नोटबंदी की गई थी और इसके विरोध में २००० का नोट छापा गया था, जिससे नोटबंदी का कोई उद्देश्य पूरा नहीं हुआ । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा इस वर्ष अंततः इसे चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया गया है । २००० रुपये के डुप्लीकेट नोट भी बाजार में आये । जिसमें से सबसे ज्यादा डुप्लीकेट नोट गुजरात से पकड़े गए हैं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की २०२२ की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में २,००० रुपये के नकली नोट जब्त करने के मामले में गुजरात सबसे आगे है । एनसीआरबी द्वारा भारत में अपराध २०२२ रिपोर्ट जारी की गई है । इसमें कहा गया है कि पिछले साल गुजरात में २,००० रुपये मूल्य के ११.२८ लाख नकली नोटों की सबसे अधिक जब्ती हुई थी, जो उसी मूल्यवर्ग के ११.४८ लाख नोटों की कुल राष्ट्रीय जब्ती का ९८% है । कोई भी अन्य राज्य इस मामले में गुजरात के करीब नहीं है । दूसरे स्थान पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली है, जहां २०२२ में २,००० रुपये मूल्य के ७३,२५३ नकली नोट जब्त किए गए, जबकि गुजरात का पड़ोसी राज्य राजस्थान १३,६५३ नोटों के साथ तीसरे स्थान पर है ।

रिपोर्ट के मुताबिक, सभी नकली नोट जब्त करने के मामले में गुजरात देश में सबसे आगे है । देश में जब्त किए गए नकली नोटों में से लगभग ७३% नकली नोट गुजरात से हैं । देशभर में ४२.०७ लाख नकली नोटों में से गुजरात में कुल ३०.६४ लाख नोट जब्त किए गए हैं । जब्त किए गए नोटों में विभिन्न मूल्यवर्ग के १० रुपये, २० रुपये, ५० रुपये, १०० रुपये, २०० रुपये, ५०० रुपये और १,००० रुपये के नोट और २,००० रुपये के नोट शामिल हैं । राष्ट्रीय स्तर पर, कर्नाटक सूची में गुजरात के करीब है, जहां सभी मूल्यवर्ग के ४.५९ लाख नकली नोट जब्त किए गए हैं । हालांकि, यहां यह ध्यान रखना बेहद जरूरी है कि गुजरात में दिसंबर २०२२ में विधानसभा चुनाव हुए थे ।

हालाँकि, एनसीआरबी द्वारा प्रस्तुत डेटा राज्य विधानसभाओं में साझा की गई जानकारी से अलग है । इसी साल मार्च में प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा था कि राज्य में २०२१ और २०२२ में नकली नोट जब्ती से जुड़े २६ मामले दर्ज किये गये हैं. २०२१ में नौ मामलों में २,०८६ नकली नोट जब्त किए गए, जबकि २०२२ में १७ मामलों में १४,१६५ नोट जब्त किए गए । मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कांग्रेस विधायक अनंतकुमार पटेल के सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी.

राजकोट के 100 जितने मंदिरों में छोटे वस्त्रों में प्रवेश पर लगी रोक, हिन्दू संगठन की पोस्टर लगाकर अपील

राजकोट (ईएमएस)। गुजरात में फिर एक बार छोटे वस्त्रों में मंदिरों में प्रवेश का मुद्दा गरमा गया है। गुजरात के कई बड़े मंदिरों में छोटे और कटे-फटे वस्त्रों के साथ प्रवेश पर प्रतिबंध है। अब राजकोट के 100 जितने मंदिरों में छोटे वस्त्रों में किसी को भी प्रवेश नहीं देने की अपील की गई है। सनातन धर्म रक्षक समिति ने राजकोट के 100 मंदिरों में बाकायदा पोस्टर लगाए हैं, जिसमें लिखा है 'मंदिर की प्रतिष्ठा और गरिमा बरकरार रखने के लिए छोटे, कटे-फटे वस्त्र पहनकर प्रवेश ना करें। कोई भी महिला या पुरुष केप्री, बरमूडा, स्लीवलैस वस्त्र, फटी जीन्स, मिनी स्कर्ट इत्यादि पहनकर मंदिर में प्रवेश ना करें। इतना ही नहीं मंदिर के पुजारियों से कहा गया है कि वह ऐसे किसी भी व्यक्ति को मंदिर में प्रवेश ना करने दें जो छोटे या कटे-फटे वस्त्रों में आया हो। राजकोट के विभिन्न संगठनों ने एक जुट होकर छोटे वस्त्रों में मंदिर में प्रवेश रोकने का फैसला किया है। राजकोट के विख्यात पंचनाथ मंदिर समेत 100 जितने मंदिरों में यह पोस्टर लगाकर लोगों से भी छोटे वस्त्रों में मंदिरों में नहीं आने की अपील की है।

राज्य में यूरिया खाद की कोई किल्लत नहीं, अगर समस्या होगी तुरंत निपटारा करेंगे : कृषि मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। यूरिया खाद की तंगी को लेकर कृषि मंत्री राघवजी पटेल का बड़ा सामने आया है। राघवजी पटेल ने कहा कि फिलहाल राज्य में यूरिया खाद की किल्लत कहीं नजर आ रही। इसके बावजूद अगर कहीं कोई समस्या है तो उसका तुरंत निपटारा किया जाएगा। दरअसल राज्य में यूरिया खाद की किल्लत को लेकर कई जगह किसानों में आक्रोश है। शीत फसलों की बुवाई कर चुके किसानों को यूरिया की जरूरत है जो उन्हें मिल नहीं रही। गिर सोमनाथ जिले के कोडीनार तहसील के किसान यूरिया खाद की तंगी को लेकर काफी आक्रोश में हैं। फसल में डालने के लिए खाद उपलब्ध नहीं होने से किसान उग्र होते जा रहे हैं। गिर सोमनाथ जिले में यूरिया खाद उपलब्ध कराने की मांग के साथ तहसीलदार को ज्ञापन भी दिया गया है। कोडीनार के किसानों द्वारा दिए गए इस ज्ञापन में सरकार से तुरंत खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई है। इसी को लेकर कृषि मंत्री राघवजी पटेल के बयान आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि राज्य में फिलहाल यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है। कहीं यूरिया को लेकर समस्या है तो उसका तुरंत निराकरण करेंगे।

22 किलो गांजा के साथ एक शख्स गिरफ्तार, 2020 में वलसाड पुलिस ने पकड़ा था

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर की माधुपुरा पुलिस ने दरियापुर क्षेत्र में एक शख्स को 22 किलो गांजा और कार समेत कुल 5 लाख से अधिक माल-सामान जब्त कर लिया। पकड़े गए शख्स को 2020 में वलसाड पुलिस ने गांजा के साथ गिरफ्तार किया था। जेल से छूटने के बाद शख्स फिर वहीं काम करे उससे पहले अहमदाबाद की पुलिस ने उसे दबोच लिया। दरअसल अहमदाबाद की माधुपुरा पुलिस को सूचना मिली थी कि दरियापुर दरवाजा के निकट एक शख्स गांजा लेकर अपने घर पहुंचा है। सूचना के आधार पर माधुपुरा पुलिस ने शाहरुखखान पठान नामक शख्स के घर रेड की और 22 किलो गांजा बरामद कर लिया। पुलिस ने शाहरुखखान को गिरफ्तार करने के साथ ही रु. 2.39 लाख का गांजा और कार समेत कुल रु. 5 लाख से अधिक का माल-सामान जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक वर्ष 2020 के दौरान वलसाड में पकड़े गए 283 किलो गांजा केस की जांच में शाहरुखखान पठान का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। छह महीने तक नवसारी की जेल में रहने के बाद जनवरी 2021 को शाहरुखखान पठान जेल से बाहर आया था। फिलहाल शाहआलम से जफर नामक शख्स से 22 किलो गांजा लेकर अपने घर पहुंचे शाहरुख को पुलिस ने फिर एक बार दबोच लिया। माधुपुरा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। साथ ही शाहआलम के जफर की तलाश शुरू कर दी है।

आई-इनोवेट पहल एचडीएफसी बैंक और रिजर्व बैंक इनोवेशन हब द्वारा शुरू की गई थी

यह पहल सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों के बीच वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देगी।

बेंगलुरु, 5 दिसंबर, 2023: एचडीएफसी बैंक ने आज वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए विकलांगों पर केंद्रित चैंपियन फिनटेक के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई एक राष्ट्रव्यापी पहल, आई-इनोवेट लॉन्च करने के लिए रिजर्व बैंक इनोवेशन हब (आरबीआईएच) के साथ साझेदारी की घोषणा की। एक महत्वपूर्ण कदम है लिया गया। यह पहल पूरी तरह से सहायक प्रौद्योगिकी (एटी) का लाभ उठाने पर केंद्रित है ताकि न केवल विकलांगों के वित्तीय समावेशन को बढ़ाया जा सके बल्कि इसमें क्रांतिकारी बदलाव भी लाया जा सके।

आरबीआईएच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, वित्तीय क्षेत्र में नवाचार के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने का प्रयास करती है। एचडीएफसी बैंक अपने सीएसआर ब्रांड 'परिवर्तन' के तहत अपने परिवर्तन स्टार्टअप अनुदान कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले स्टार्टअप को सहायता प्रदान करता है।

एचडीएफसी बैंक की रिटेल ब्रांच बैंकिंग की प्रमुख सुश्री स्मिता भगत ने कहा, 'विकलांग लोगों की कुल आबादी का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा देश के ग्रामीण इलाकों में रहता है। हमारे देश में विशेष आवश्यकता वाले लोगों को औपचारिक वित्तीय सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। एचडीएफसी बैंक वित्तीय सेवाओं के अनुकूलन में अंतराल की पहचान करने और समावेशी वित्तीय उत्पादों को नया करने के लिए आरबीआईएच के साथ सहयोग कर रहा है जो वित्तीय स्वतंत्रता को सक्षम बनाता है और विशेष जरूरतों वाले लोगों को सशक्त बनाता है।

आरबीआईएच में कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, मार्केटिंग और पार्टनरशिप की प्रमुख सुश्री शालिनी सहाय ने कहा, ''यह साझेदारी वित्तीय क्षेत्र में नवाचार और समावेशन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नवाचार के माध्यम से, हम सहायक प्रौद्योगिकी और वित्त के चौराहे पर सफल समाधान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

टीम हजीरा ने AM/NS India के टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में जीत हासिल की

अहमदाबाद, दिसंबर 04, 2023: आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (AM/NS India) की टीम हजीराने नवम्बर 29 से दिसंबर 2, 2023 तक हजीरा के एएम/एनएस टाउनशिप में आयोजित AM/NS India इंटर-लोकेशन क्रिकेट टूर्नामेंट में विजय प्राप्त की है।

AM/NS India के हजीरा एचआर और प्रशासन टीम द्वारा आयोजित यह रोमांचक टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट मे AM/NS India kesnd विभिन्न स्थानों से 11 टीमोंने हिस्सा लिया था। टूर्नामेंट के दौरान कुल 13 मैच खेले गए, जिनमें 10 लीग मैच, 2 सेमीफाइनल और फाइनल शामिल थे।

दिसंबर 2 को फाइनल मैच में टीम हजीराने टीम खोपोली के साथ मुकाबला किया। टीम हजीरा ने 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान के साथ 179 रन बनाए। जवाब में टीम खोपोली ने निर्धारित ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर केवल 73 रन बनाए और टीम हजीरा को एक बड़ी जीत मिली।

डॉ. अनिल मटू, प्रमुख - मानव संसाधन संचालन, आईआर और प्रशासन, एएम/एनएस ने कहा, ''हम इस टूर्नामेंट में सभी टीमों द्वारा दिखाई गई प्रतिभा और खिलाड़ी भाव को देखकर बहुत प्रसन्न हैं। यह टूर्नामेंट न केवल एएम/एनएस की अद्भुत खेल प्रतिभा को दिखाती है, बल्कि टीमवर्क के मूल्य को भी दर्शाती है। मैं टीम हजीरा को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं और इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करता हूं।''

करणवीर मेहरा कहते हैं, यह जानकर हैरानी हुई कि 'लाइट्स आउट' व्यंग्य नहीं बल्कि वास्तविक घटना से प्रेरित है।

करणवीर लेखिका मंजुला पद्मनाभन की प्रशंसित रचना पर आधारित ज़ी थिएटर टेलीप्ले 'लाइट्स आउट' में एक ख़ास भूमिका निभा रहे हैं

1986 में, जब नाटककार मंजुला पद्मनाभन का नाटक 'लाइट्स आउट' मुंबई में दिखाया हुआ, तो इसने सनसनी मचा दी क्योंकि यह एक भयानक अपराध के प्रत्यक्षदर्शी विवरण पर आधारित था। अनुभवी टेलीविजन और ओटीटी स्टार करणवीर मेहरा, जो नाटक के ज़ी थिएटर रूपांतरण में अभिनय करते हैं, का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों पहले कही गई कहानी के मुद्दे अब भी पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।

वह आगे कहते हैं, ''यह टेलीप्ले इस तथ्य को दर्शाता है कि जब हम चुप रहते हैं, तो हम अन्याय में भागीदार होते हैं। आज भी ऐसी कई घटनाएं होती रहती हैं और ये बात बहुत परेशान करने वाली है।''

मंजुला पद्मनाभन अंतर्राष्ट्रीय ओनासिस पुरस्कार (1997) पाने वाली पहली भारतीय हैं और उन्होंने बहुत ही स्पष्टता से दर्शाया है कि कैसे समाज सामूहिक रूप से महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर आंखें मूंद लेता है। टेलीप्ले एक मध्यमवर्गीय जोड़े के अपार्टमेंट में शुरू होता है, जिन्होंने कुछ दोस्तों को आमंत्रित किया है। उनकी ख़ुशी भरी शाम में तब खलल पड़ता है जब वे पास के परिसर में एक महिला पर हमले की आवाज़ सुनते हैं। इसके बाद की घटनाएँ न केवल सामूहिक उदासीनता बल्कि वीभत्स मानवीय जिज्ञासा को भी दर्शाती हैं।

टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यूइंट्रा वी70 पिकअप, इंट्रा वी20 गोल्डपिकअप और ऐसएचटी+ लॉन्च किया

मुंबई, 5 दिसंबर 2023 : भारत में कमर्शल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता टाटा मोटर्स ने ऑल-न्यूइंट्रा वी70, इंट्रा वी20 गोल्डऔर ऐसएचटी+को लॉन्चं किया है। कंपनी ने माल या सामान को प्रभावी ढंग से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने की प्रतिबद्धता के साथ यह गाडियां पेश की हैं। इन नए वाहनों को भारी सामान कम लागत में लंबी दूरी तक पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इन वाहनों में अपनी श्रेणी के बेहतरीन फीचर्स हैं। इन गाड़ियों का प्रयोग कई कामों के लिए किया जाता है। यह शहरों और गांवों में ट्रांसपोर्टर्स को बेहतर मुनाफा और उत्पादकता मुहैया कराती है। टाटा मोटर्स ने लोकप्रिय इंट्रावी50 और ऐस डीजल व्हीकल्स का नया वर्जनलॉन्च किया। इसे स्वामित्व की कम लागत के साथ ईंधन की कम खपत करने के लिए फिर से बनाया गया है।

टाटा मोटर्स के एक्जीक्यूटिवडायरेक्टर श्री गिरीश वाघने इन वाहनों को लॉन्च करते हुए कहा, ''तरह-तरह का सामान इधर से उधर ले जाने के लिए ये वाहन आदर्श समाधान मुहैया कराते हैं। हमारे छोटे कमर्शल वाहन और पिकअपउपभोक्ताओं को उनकी कमाई कासाधन मुहैया कराते हैं। इन वाहनों को अपने उपभोक्ताओं की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है। आज लॉन्च की गई गाड़ियों में प्रमुख फीचर्सजोड़े गए हैं। जिन लोगों को अपने सामान को काफी प्रभावी ढंग से इधर से उधर पहुंचाने की जरूरत होती है, उनकी तरफ से इस तरह के व्हीकल्स की काफी डिमांड है। ईंधन की खपत को कम से कम रखने के लिए इन गाड़ियों को डिजाइन किया गया है। इससे लंबी दूरी तक ज्यादा माल पहुंचाया जा सकता है।

नेस्लेइ इंडिया ने जीता ''बेस्टे इंडस्ट्री- प्रोडक्टल इनोवेशन फॉर मेनस्ट्रीइमिंग मिलेट्स'' अवार्ड

नेस्लेइ इंडिया को बेहद सम्मासनित ''इंटरनेशनल न्यू-ट्री-सीरियल कन्वेंमशन 5.0'' में न्यूकट्रीहब, आईसीएआर-आईआईएमआर से ठबेस्टब इंडस्ट्रीस-प्रोडक्टन इनोवेशन फॉर मेनस्ट्रीशमिंग मिलेट्सठ पुरस्कार मिला है। इस कार्यक्रम की मेजबानी न्यूलट्रीहब, आईआईएमआर-आईसीएआर ने की और इसमें मिलेट्स के इको-सिस्ट्म में काम कर रहे नीति-निर्माता, उत्पादक, प्रोसेसर्स, शोधकर्ता, शिक्षाविद, शोध एवं विकास संस्थान, इनक्यूलबेटर्स, स्टा र्टअप्से, सूक्ष्म - उद्यमियों और एनजीओ जैसे कई हितधारक एकजुट हुए। यह सम्मारन खाद्य उद्योग में सबसे बेहतरीन काम करने एवं हमेशा नए आविष्काजर करने के लिये नेस्लेय इंडिया की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

मिलेट्स को तेजी से अपनाये जाने पर अपनी बात रखते हुए, नेस्लेा इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री सुरेश नारायणन ने कहा, ''नेस्लेए इंडिया बेस्टे इंडस्ट्रीन- प्रोडक्टए इनोवेशन फॉर मेनस्ट्री मिंग मिलेट्स अवार्ड पाकर बहुत खुश है। यह सम्मा,न देशभर में उपभोक्ता ओं को खाने के पौष्टिक एवं सेहतमंद विकल्पर प्रदान करने के लिये हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

न्यूपट्रीहब के सीईओ डॉ. बी दयाकर राव ने कहा, ''न्यूीट्रीहब, आईसीएआर-आईआईएमआर और पोषक अनाज अवार्ड्स कमिटी की ओर से मैं नेस्लेर इंडिया को बधाई देता हूँ। नेस्लीे मिलेट्स के क्षेत्र में महत्वोपूर्ण योगदान कर रही है और इसे लेकर पूरी तरह समर्पित है।''

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95